रायबरेली, मंगलवार
23.04.2024
वर्षः 11
अंकः 220 पृष्ठः 08
मूल्यः 02 रूपया
स्थापितः वर्ष 2012
RNI-UPHIN/2012/46348

संकल्प परिवर्तन का

नवसत्ता

16वां वर्ष विश्वास का

www.navsatta.com लखनऊ व रायबरेली से एक साथ प्रकाशित तथा समस्त उत्तर भारत में प्रसारित हिन्दी दैनिक

राष्ट्रपति ने कई हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से किया समानित

वेंकैया नायडू मिथुन चक्रवर्ती समेत उषा उत्थुप को पद्म भूषण सम्मान

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता) राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू समेत कई हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ये सम्मान दिया। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक बिंदेश्वर पाठक और कई अन्य प्रमुख हस्तियों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। नायडू, पाठक को मरणोपरांत पुरस्कार दिया गया है। प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मा सुब्रमण्यम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती, गायिका उषा उत्थुप, उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक और उद्योगपति सीताराम जिंदल को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित अन्य उपस्थित थे। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों - पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री में प्रदान किया जाता है। पुरस्कार विभिन्न विषयों या गतिविधियों के क्षेत्रों में जैसे- कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल, सिविल सेवा आदि में दिए जाते हैं। पद्म विभूषण असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए, पद्म भूषण उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए और पद्म श्री किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है। 2024 के लिए राष्ट्र पति ने 132 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंजूरी दी थी, जिसमें दो युगल मामले (एक युगल मामले में, पुरस्कार को एक के रूप में गिना जाता है) शामिल हैं।

इस सूची में पांच पद्म विभूषण, 17 पद्म भूषण और 110 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं.पुरस्कार विजेताओं में से 30 महिलाएं हैं और सूची में विदेशी,एनआरआई,पीआईओ,ओसीआई श्रेणी के आठ लोग और नौ मरणोपरांत पुरस्कार विजेता भी शामिल हैं। जबकि लगभग आधे पुरस्कार विजेताओं को सोमवार को पुरस्कार प्रदान किए गए, शेष को अगले सप्ताह पुरस्कार मिलने की संभावना है।

24 हजार शिक्षकों की नियुक्ति रद्द, हाईकोर्ट का आदेश आठ साल का वेतन लौटाएं

एजेंसी

कलकत्ता, 22 अप्रैल (नवसत्ता) कलकत्ता हाईकोर्ट ने आज 2016 में हुई शिक्षक भर्ती रद्द कर दी। इसके अलावा अवैध नियुक्ति पर काम कर रहे शिक्षकों से 7-8 साल के दौरान मिली सैलरी भी वापस लेने के निर्देश दिए। जस्टिस देवांग्शु बसाक और जस्टिस शब्बर रसीदी की बेंच ने कहा- कैंसर पीड़ित सोमा दास की नौकरी सुरक्षित रहेगी। पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग नई नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करे। हाईकोर्ट के आदेश को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गैरकानूनी बताया है। उन्होंने कहा- हम उन लोगों के साथ खड़े रहेंगे जिनकी नौकरियां चली गईं। भाजपा नेता न्यायपालिका के फैसलों को प्रभावित कर रहे हैं। इस फैसले के खिलाफ हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। पश्चिम बंगाल सरकार ने 2014 में डब्लूबीएसएससी के जरिए सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ भर्ती किया था। तब 24, 640 रिक्त पदों के लिए 23 लाख से अधिक लोगों ने भर्ती परीक्षा दी थी। इस भर्ती में 5 से 15 लाख रुपए तक की घूस लेने का आरोप है। मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट को कई शिकायतें मिली थीं। भर्ती में अनियमितताओं के मामले में सीबीआई ने राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी करीबी मॉडल अर्पिता मुखर्जी और एसएससी के कुछ अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। ममता बनर्जी की सरकार ने 2014 में शिक्षकों की भर्ती निकाली थी। इसकी प्रक्रिया 2016 में पूरी हुई थी। तब पार्थ चटर्जी राज्य के शिक्षा मंत्री थे। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि जिन उम्मीदवारों के नंबर कम थे उन्हें मेरिट लिस्ट में ऊपर स्थान मिला। कुछ उम्मीदवारों का मेरिट लिस्ट में नाम न होने पर भी नौकरी दी गई। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि कुछ ऐसे भी उम्मीदवारों को नौकरी दी गई, जिन्होंने टीईटी परीक्षा भी पास नहीं की थी, जबकि राज्य में शिक्षक भर्ती के लिए टीईटी की परीक्षा पास करना अनिवार्य है। इसी तरह से राज्य में 2016 में एसएससी द्वारा ग्रुप डी की 13 हजार भर्ती के मामले में शिकायतें मिली थीं। हाईकोर्ट ने इन सभी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सीबीआई द्व जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद ईडी ने शिक्षक भर्ती और कर्मचारियों की भर्ती के मामले में मनी ट्रेल की जांच शुरू की थी। सीबीआई ने इस मामले में 18 मई को पार्थ चटर्जी से पूछताछ भी की थी।ईडी ने 23 जुलाई 2022 को पार्थ को शिक्षक भर्ती घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में कोलकाता के सरकारी आवास से गिरफ्तार किया था। पार्थ पर आरोप है कि मंत्री रहते हुए उन्होंने नौकरी देने के बदले गलत तरीके से पैसे लिए।

हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने को तैयार ममता बनर्जी

कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल में 2016 में शिक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से हुई सभी नियुक्तियों को रद्द कर दिया है। इस मामले में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि हाईकोर्ट का आदेश अवैध है और इस फैसले को चुनौती दी जाएगी। ममता बनर्जी कहा हाईकोर्ट के फैसले को अवैध करार देते हुए कहा कि हम उन लोगों के साथ खड़े हैं, जिनकी नौकरियां चली गई हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी जाएगी। रायगंज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल द्वारा न्यायपालिका के निर्णयों को प्रभावित करने का काम किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि भाजपा ने पहले चरण के मतदान में हार को महसूस कर लिया है और इस वजह से पार्टी के नेता घबरा रहे हैं। उन्होंने संदेशखाली के मुद्दे को भारतीय जनता पार्टी की पहले से निर्धारित रणनीति करार देते हुए कहा कि इस बार सत्तारूढ़ दल का सफाया निश्चित है।

सौम्या के हत्यारों की जमानत के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता) उच्चतम न्यायालय ने एक अंग्रेजी समाचार चैनल में काम करने वाली पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की 2008 में हत्या से संबंधित मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से सभी चार दोषियों को दी गई जमानत को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सोमवार को दिल्ली पुलिस और उन दोषियों को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने सौम्या की मां माधवी विश्वनाथन की याचिका पर उन दोषियों से जवाब मांगा, जिन्हें उनकी अपील के लंबित रहने के दौरान जेल से रिहा कर दिया गया था।पीठ ने दिल्ली पुलिस को भी चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। इस मामले में अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। मृतका की मां की ओर से शीर्ष अदालत में दायर याचिका में तर्क दिया गया कि उच्च न्यायालय उसकी (मृतका की मां की) वेदना समझने में विफल रहा। उच्च न्यायालय दोषियों के आपराधिक इतिहास और उनके द्वारा किए गए अपराधों की गंभीरता को भी नहीं समझ पाया।याचिका में कहा गया है कि उच्च न्यायालय यह भी ध्यान देने में असफल रहा कि एक बार जब इन आरोपियों को छोड़ दिया जाएगा तो वे अपनी पिछली गतिविधियों को जारी रख समाज के लिए खतरा बन सकते हैं। याचिका में यह भी दलील दी गई है कि उच्च न्यायालय यह विचार में विफल रहा है कि सत्र न्यायाधीश ने रिकॉर्ड पर व्यापक आपत्तिजनक सामग्री पर विचार करने के बाद और अपराध की गंभीरता को समझने के बाद आरोपियों को आईपीसी की धारा 302, 34 और मकोका 1999 की धारा 3(1)(द्व) तहत दोहरे आजीवन कारावास की सजा के लिए दोषी ठहराया।

राजनाथ सिंह ने सियाचिन में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन का दौरा कर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। रक्षा मंत्री ने प्रतिकूल मौसम में दुर्गम इलाकों में तैनात सैनिकों के साथ बातचीत भी की। उनके साथ सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, उत्तरी कमान लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिंद्र कुमार और जनरल ऑफिसर कमांडिंग 14 कोर लेफ्टिनेंट जनरल रशिम बाली भी थे।

क्षेत्र के हवाई सर्वेक्षण के बाद रक्षा मंत्री 15 हजार 100 फीट की ऊंचाई पर एक अग्रिम चौकी पर उतरे जहां उन्हें सियाचिन ग्लेशियर में संचालन तैयारियों और मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कमांडरों के साथ संचालन चुनौतियों से जुड़े पहलुओं पर चर्चा भी की। श्री सिंह ने सैनिकों को संबोधित करते हुए विषम परिस्थितियों में वीरता और दृढ़ संकल्प के साथ मातृभूमि की रक्षा करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सशस्त्र बलों का हमेशा ऋणी रहेगा क्योंकि उनके बलिदान के कारण हर नागरिक सुरक्षित महसूस करता है। उन्होंने कहा, हम शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं क्योंकि आश्वस्त हैं कि हमारे बहादुर सैनिक सीमाओं पर दृढ़ता से खड़े हैं।

कांग्रेस ने पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव आयोग में दर्ज की शिकायत

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संपत्ति बांट देने वाले बयान के खिलाफ आज कांग्रेस ने चुनाव आयोग के सामने अपनी शिकायत दर्ज कराई है। इसकी जानकारी कांग्रेस ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी है। इसके साथ ही एक्स पर कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी का वीडियो भी शेयर किया गया है, जिसमें वह चुनाव आयोग से शिकायत के बाद मीडिया से बात कर रहे हैं। कांग्रेस नेता सिंघवी ने बताया कि हम चुनाव आयोग का धन्यवाद करते हैं, उन्होंने कम समय में हमारी शिकायत को सुना। आशा है कि वह इस पर ठोस कदम उठाएंगे। हमने चुनाव आयोग में 17 शिकायतें दर्ज की हैं। लेकिन तीन से चार के बारे में बताऊंगा। मैं पीएम मोदी का आदर करता हूं क्योंकि वो मुखर और प्रखर वक्ता हैं। पीएम मोदी ने राजस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान भद्दा बयान दिया। इसमें एक समुदाय, एक धर्म का स्पष्ट नाम के साथ विवरण है। बयान में समुदाय या धर्म को घुसपैठियों के साथ बराबर में जोड़ा गया है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने आगे कहा, पीएम मोदी ने अपने बयान में मंगल सूत्र का भी जिक्र किया। उन्होंने भारत के संविधान की अस्मिता पर आघात किया है। भारतीय संविधान एक गौरवशाली संविधान है। संविधान कहता है कि धर्मनिरपेक्षता, पंथनिरपेक्षता का हमारे संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न अंग है। अब चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि इस पर कार्रवाई करे, इसमें देश की विश्वसनीयता से जुड़ा हुआ सवाल है, हमारे संविधान की विश्वसनीयता का सवाल है, हमारे प्रधानमंत्री पद की और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता का सवाल है। देश के प्रधानमंत्री ने राजस्थान में जिस तरह एक समुदाय के लिए भद्दा वक्तव्य दिया, वह चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। चुनाव आयोग को इस पर सख्त कार्यवाही करनी चाहिए। इस बयान से देश के संविधान, प्रधानमंत्री पद, चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा हो गया है। बीजेपी सरकार ने गुजरात समेत कई जगहों पर सत्तारूढ़ पार्टी की तस्वीरें लगाई हैं, जो सिर्फ धर्म की बात करती है। 3. सूरत में चुनाव के एक दिन पहले कांग्रेस के एक साथ 4 प्रस्तावक बोलते हैं कि वह हस्ताक्षर मेरे नहीं हैं, उसके बाद वह लापता हो जाते हैं।

जम्मू-कश्मीर की आवाज को दिल्ली तक ले जाने की लड़ाई है : महबूबा

एजेंसी

श्रीनगर, 22 अप्रैल (नवसत्ता) पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख एवं जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के खिलाफ आवाज उठाते हुए सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकसभा की लड़ाई उनकी पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के बीच नहीं है, बल्कि यह है कि जम्मू-कश्मीर की आवाज को नयी दिल्ली तक कौन लेकर जायेगा।

मुफ्ती ने दक्षिण कश्मीर में एक चुनाव अभियान के दौरान संवाददाताओं से कहा, लोग समझते हैं कि उन्हें एक ऐसी आवाज की ज़रूरत है जो दिल्ली में सत्ता के सामने खड़ी हो और कश्मीर के मुद्दों पर बात करे। साथ ही वर्ष 2019 के बाद हुए अत्याचारों के बारे में बात करें। उन्होंने कहा,मैं सत्ता में बैठे लोगों के सामने खड़ी रहूंगी और उन्हें बताऊंगी कि यह (अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का) फैसला जम्मू-कश्मीर के लोगों को स्वीकार्य नहीं है तथा आपको इसे पलटना होगा।

केजरीवाल को एम्स से परामर्श की मांग खारिज कोर्ट ने दिया पैनल गठित करने का निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता) शराब नीति केस में एक अप्रैल से तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने डॉक्टर से कंसल्ट नहीं कर पाएंगे। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को उनकी याचिका खारिज कर दी। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने केजरीवाल की मांग खारिज कर दी। कोर्ट ने एम्स को निर्देश दिया कि वह केजरीवाल की जांच के लिए एक मेडिकल बोर्ड बनाए ताकि यह पता चल सके कि उन्हें शुगर लेवल कंट्रोल करने के लिए इंसुलिन की जरूरत है। इसके अलावा उनके अन्य मेडिकल जरूरतों का भी पता लगाएं। केजरीवाल ने कोर्ट से डिमांड की थी कि उन्हें शुगर है। जेल में उन्हें इंसुलिन नहीं दिया जा रहा। वे अपने डॉक्टर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोज 15 मिनट परामर्श लेना चाहते हैं। इसके अलावा उन्होंने डायबिटीज की रेगुलर जांच और इंसुलिन की मांग की थी। ईडी ने 18 अप्रैल को राउज एवेन्यू कोर्ट से कहा था कि जेल में केजरीवाल जानबूझकर आम और मिठाई खा रहे हैं, ताकि उनका शुगर लेवल बढ़े और उन्हें मेडिकल ग्राउंड पर जमानत मिल जाए। कोर्ट ने ईडी से इस पर जवाब मांगा था। इससे पहले सुबह हाईकोर्ट ने केजरीवाल से जुड़ी 2 अन्य याचिकाओं पर सुनवाई की। पहली- हाईकोर्ट ने केजरीवाल की जमानत के लिए दायर की गई जनहित याचिका खारिज कर दी। याचिका %वी द पीपुल ऑफ इंडिया% के नाम से एक लॉ स्टूडेंट ने लगाई थी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर 75 हजार का जुर्माना भी लगाया। याचिकाकर्ता ने कहा था कि दिल्ली के सीएम की गिरफ्तारी से सरकार का कामकाज ठप पड़ गया है। कोर्ट ने कहा- राहुल मेहरा सीएम की ओर से पेश हुए हैं। उनका कहना है कि वे अपना काम कर रहे हैं। उन्हें आपसे कोई मदद नहीं चाहिए। मेहरा ने कहा था कि याचिका पब्लिसिटी के लिए लगाई गई है। वहीं दूसरे मामले (ईडी के समन के खिलाफ) की सुनवाई दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस सुरेश कैत और जस्टिस मनोज जैन की बेंच में हुई। बेंच ने इसे 15 मई के लिए लिस्ट कर दिया।

संदिग्ध हालात में जिंदा जली विवाहिता

संवाददाता

गदागंज-रायबरेली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। थाना क्षेत्र में विवाहिता की संदिग्ध हालात में जलकर मौत हो गई। उसका एक हाथ जला था। चेहरा व गला मामूली रूप से झुलसा था। शरीर के कपड़े व बाल तक नहीं जले थे। इस वजह से मौत को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। विवाहिता की मौत से घर वालों में रोना पिटना मचा है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। गदागंज थाना क्षेत्र के पूरे बरेथ मजरे सुदामापुर गांव निवासी शांति देवी (22) सुबह करीब 11 बजे चूल्हे पर चावल पका रही थी। पति मोनू दूसरे के खेत में भूसा भरने गया था। सास बिटाना दरवाजे पर गेहूं साफ कर रही थी। ननद ज्ञानवती व अर्चना देवी गांव में स्थित अपने दूसरे घर काम कर रही थी। इसी दौरान शांति आग से झुलस गई। घर वाले उसे सीएचसी लेकर गए ,जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। शांति देवी की शादी तीन साल पहले हुई थी। चार माह का बेटा तरुण है। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि आग लगने विवाहिता की मौत की सूचना मिली है।

जनसभा भव्य राम मंदिर विकसित भारत का आशीर्वाद दे रहा है

अलीगढ़ के पास है अच्छे भविष्य और विकसित भारत की चाबी : नरेन्द्र मोदी

संवाददाता

अलीगढ़, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अलीगढ़ की जनता ने कांग्रेस और सपा के परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की फैक्ट्री में ऐसा मजबूत ताला लगा दिया है, कि दोनों शहजादों को इसकी चाबी नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा अपने अच्छे भविष्य और विकसित भारत की चाबी भी आपके ही पास है। प्रधानमंत्री ने आह्वान किया कि अब देश को गरीबी, भ्रष्टाचार और परिवारवादी राजनीति से पूरी तरह से मुक्त कराने का समय आ गया है। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को अलीगढ़ और हाथरस लोकसभा सीटों से बीजेपी प्रत्याशियों के लिए प्रचार करने पहुंचे थे। उन्होंने अलीगढ़ से सतीश गौतम और हाथरस से अनूप वाल्मीकि को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। मोदी ने कहा कि आप भले अपना वोट बीजेपी प्रत्याशियों को देंगे, वो वोट सीधे मुझे मिलेगा। मैं आपसे मोदी के लिए वोट मांगने आया हूं। प्रधानमंत्री ने पहले मतदान, फिर जलपान की अपील करते हुए कहा कि तमाम कामों से बड़ा देश है और आपका एक एक वोट बहुत ही महत्वपूर्ण है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पहले आए दिन बॉर्डर पर बम गोले चलते और हमारे वीर सैनिक शहीद होते थे। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिये बगैर कहा कि आज उनके सारे तोप, बंदूक और बारूद बिक गये हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले देश में सीरियल बम ब्लास्ट होते थे। सरकारों की ओर से इश्तेहार देकर लावारिस वस्तुओं को न छूने की अपील की जाती थी। ये मोदी-योगी का कमाल है कि आज सब बंद हो गया है। पहले कश्मीर में अनुच्छेद 370 के नाम पर अलगाववादी शान से जीते थे और हमारे फौजियों पर पत्थर चलाते थे। इन सबपर फुल स्टॉप लग गया। जब शांति और सुरक्षा मिलती है तो विकास होता है। प्रधानमंत्री ने यूपी की कानून व्यवस्था की चर्चा करते हुए कहा कि पहले अलीगढ़ में आए दिन कर्फ्यू लगता था, अगल बगल के लोगों को अलीगढ़ आना होता था तो फोन करके पूछते थे। दंगे वाले इलाकों में शादी ब्याह नहीं करते थे। दंगे, हत्या, गैंगवार, फिरौती सपा सरकार का ट्रेड मार्क था, उनकी पहचान थी। उनकी राजनीति इसी सब से चलती थी। हमारी एक समय था जब हमारी बहन बेटियां घर से बाहर नहीं निकल पाती थीं।

रेल कोच में उपमुख्य यांत्रिक अभियंता आईटी ने अपने अधीनस्थ अधिकारी को लात घूसों से पीटा

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। रेल कोच कारखाने में एक प्रथम श्रेणी अधिकारी के द्वारा मारपीट किए जाने की घटना सामने आई है। रेल कोच के आईटी विभाग के उप मुख्य यांत्रिक अभियंता अमित कुमार ने अपने अधीनस्थ वरिष्ठ अनुभाग अभियंता को उसके कार्यालय में जाकर जमकर लात घूसों से से मारा पीटा है और उसे मां बहन की गाली भी दिया है। मारपीट में गंभीर रूप से घायल वरिष्ठ अनुभाग अभियंता संतोष कुमार मौर्य ने बताया कि उनके उच्च अधिकारी अमित कुमार आए दिन कर्मचारियों का उत्पीड़न करते थे जिसकी शिकायत एक दर्जन से अधिक कर्मचारियों ने जीएम सहित उच्च अधिकारियों और यूनियन से की थी जिससे कुपित होकर अमित कुमार सोमवार को उनके कार्यालय मिनी एडमिन बिल्डिंग में आए और आते ही कहने लगे कि तुमने मेरी शिकायत की है और गलीज गलौज करते हुए जमकर मारा पीटा। संतोष मौर्य का कहना है कि मारपीट की घटना में उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। डिप्टी सीएम ई अमित ने उसे गिरा गिरा कर फर्श पर मारा पीटा। उसे उसके साथी कर्मचारियों ने एंबुलेंस के द्वारा रेल कोच के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया जहा हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे लालगंज सरकारी अस्पताल भेज दिया। सरकारी अस्पताल में मौजूद डॉक्टर आरके तिवारी ने प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर किया है ।वही संतोष मौर्य के द्वारा मामले की शिकायत लालगंज पुलिस से की गई है ।पुलिस ने मामले में मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मारपीट की घटना को लेकर रेल कोच कारखाने के मजदूर संघ के अध्यक्ष आदर्श सिंह बघेल और महामंत्री सुशील गुप्ता ने नाराजगी जताते हुए कहा है कि इस तरह की घटनाओं से कर्मचारियों का मनोबल घट रहा है और इससे रेल कोच के उत्पादन में भी असर पड़ेगा ।

पृथ्वी को सुरक्षित रखने में ही हमारा जीवन संभव है

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। कस्बे के शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित शिक्षण संस्थान न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सुरेन्द्र सरस्वती नगर लालगंज में 22 अप्रैल 2024 दिन सोमवार को विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यालय में आयोजित इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की छात्र- छात्राओ ने पोस्टर, स्लोगन और पेंटिंग के माध्यम से सभी को एक संदेश दिया कि पृथ्वी को सुरक्षित रखने में ही हमारा जीवन संभव है अन्यथा दिन प्रति दिन हम सभी को जीवन जीना दुर्लभ हो जाएगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवांग अवस्थी ने अपने अभिभाषण में पृथ्वी दिवस के संदर्भ में प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी की गुणवत्ता संरक्षण एवं संवर्धन का नैतिक दायित्व हम सभी पर है। पृथ्वी के समस्त संसाधनों का उपयोग करते हुए हमारा नैतिक दायित्व है कि हम पृथ्वी की गुणवत्ता बनाए रखें, अन्यथा आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। कार्यक्रम की अगली कड़ी में विद्यालय की विज्ञान विषय की विद्वान शिक्षिका आयुषी श्रीवास्तव ने विश्व पृथ्वी दिवस पर प्रकाश डालते हुए आज के दिवस 2024 की थीम प्लैनेट वर्सेस प्लास्टिक पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में कक्षा- 8 सात्विक गुप्ता व कक्षा-7 की छात्रा अस्मिता सिंह ने भी पृथ्वी दिवस पर अपने अपने विचार प्रस्तुत किए। तत्पश्चात उक्त विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिस में बच्चों ने बढ़-चढ़कर कर हिस्सा लिया। इसी क्रम में बच्चों द्वारा पृथ्वी दिवस पर निबंध प्रतियोगिता कराई गई। अंत में डिजिटल बोर्ड के माध्यम से पृथ्वी को दूषित करने वाले अपशिष्टों को दिखाया गया। जिससे हमारी पृथ्वी किस तरह प्रभावित हो रही है इसका परिणाम वर्तमान में दिख भी रहा है।

नुक्कड़ सभा के माध्यम से राज्य मंत्री ने भाजपा को जिताने का किया आह्वान

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। भारतीय जनता पार्टी डलमऊ मंडल द्वारा कस्बा स्थित मुराई बाग के अशोक शुक्ला पैलेस गेस्ट हाउस में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार ग्राम्य विकास राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श दिनेश प्रताप सिंह का आगमन हुआ। उपस्थित जनमानस को मंत्री जी ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने विगत 10 वर्ष में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं जनमानस को प्रदान की है । उन्होंने लोगों से रायबरेली में भी भाजपा को जिताने का आह्वान किया। उपस्थित बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष अध्यक्ष पं बृजेश दत्त गौड़ ने कहा कि डलमऊ के लिए भारतीय जनता पार्टी की मोदी जी एवं योगी जी की सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाएं दी गई है। इस हेतु अबकी बार रायबरेली में कमल खिलाने हेतु सभी को भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को अधिक से अधिक मतों से विजई बनाना है। नुक्कड़ सभा का संयोजन भाजपा महामंत्री शुभम गौड़ के द्वारा किया गया। नुक्कड़ सभा में नगर पंचायत अध्यक्ष पं बृजेश दत्त गौड़, भाजपा नेता सुरेंद्र सिंह दाढ़ी, विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला, जिला महामंत्री दिनेश त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष महेंद्र पटेल, मंडल महामंत्री शुभम गौड़, किसान मोर्चा महामंत्री उमेश सिंह, मंडल अध्यक्ष चंदन त्रिवेदी रामविलास लोधी, व्यापार मंडल अध्यक्ष रामगोपाल वैश्य, घनश्याम जायसवाल शिवप्रसाद साहू, आनंद त्रिवेदी, पंकज पुजारी सेक्टर संयोजक दिनेश त्रिपाठी, पुकुन शुक्ला, मंडल उपाध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, पुद्दन नेता जितेंद्र पटेल, राधेश्याम पाल, हनुमान त्रिपाठी अमरेश पांडे, हरिश्चंद्र तिवारी सुधीर जायसवाल राकेश सोनकर मिंटू तिवारी, अंकिल दीक्षित, अमरनाथ पटवा, दीपक तिवारी, दीपू जायसवाल, संतोष त्रिवेदी सरयू प्रसादसोनकर, प्रेम शुक्ला, संतोष पांडे परून यादव, कृष्ण श्याम मिश्रा रज्जन सोनकर, पुत्तन जायसवाल, सरोज पांडे, नान पांडे, विष्णुकांत तिवारी संतलाल पूर्व सभासद मोनू दुबे, शिव शंकर मिश्रा, अशोक पांडे, सतीश कुमार आशीष कुमार प्रशांत शुक्ला सहित प्रबुद्ध वर्ग एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सौम्य, सरलता व वीरता की धरती है खीरों: मनोज पाण्डेय

संवाददाता

हरचन्द्रपुर-रायबरेली 22 अप्रैल (नवसत्ता)। ऊंचाहार विधायक/पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय ने आज विकास खण्ड खीरों के ग्राम हथिगवां, भीतरगांव, पाण्डेय का पुरवा, चौधराइय का पुरवा, खीरों, उन्नत खेड़ा, दुकनहा, मे डौली, दसवमऊ, टिकवामऊ बरवलिया आदि ग्राम सभाओं में आयोजित पारिवारिक मिलन, स्वमिलन कार्यक्रमों में हिस्सा लिया, डेढ दर्जन से अधिक स्थानों पर पाण्डेय का स्वागत अभिनंदन व माल्यार्पण किया गया। पारिवारिक मिलन, स्वमिलन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा श्री पाण्डेय जी ने कहा कि जनता के विश्वास को बनाये रखने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों की होती है, जनता नेताओं की बात पर विश्वास कर उन्हें सर आंखों पर बैठाने का काम करती है, लेकिन धोखा खाने के बाद उसके हाथ निराशा ही रह जाती है, भावनाओं के नाम पर रायबरेली के लोगों को वोट लेकर ठगने का काम किया, आजादी से आज तक रायबरेली की भोली-भाली जनता ने विश्वास कर समर्थन और सहयोग करने का काम किया, लोग पलटकर कभी जनता की समस्याओं और दुखों की तरफ देखना नहीं चाहा पाण्डेय ने सवाल उठाया कि बड़ी परियोजनाओं के नाम पर विकास नहीं होता है, बल्कि परियोजनाओं का नाम लेने से जनता की भागीदारी नहीं होती बल्कि आम लोगों के परिवार उन परियोजनाओं से पल्लवित होते है,पाण्डेय ने कहा कि उन्हे सौभाग्य मिला है कि वह रायबरेली जनपद के नेता नहीं है बल्कि बेटा हैं, इसलिए इस परिवार के सुख-दुख की जिम्मेदारी अन्तिम सांस तक निभाता रहूंगा। पाण्डेय ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री और प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री ने बीमारू देश और बीमारू राज्य से बाहर लाकर भारत को एक स्वस्थ देश में स्थापित किया है, आज देश की जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र पर विश्वास करती है इसलिए कि उन्होंने देखा है कि उनकी कथनी और करनी में अन्तर नहीं होता है। संकीर्ण और सीमित विचारधारा वाले लोग भारत का नेतृत्व नहीं कर सकते। उक्त कार्यक्रम में, प्रमुख रूप से नीलू सिंह ब्लाक प्रमुख खीरों, हरिओम मिश्रा, राजन शुक्ला, धीरज, मोनू, जग्गा लोधी, राजेश पाल, राजू शुक्ला, राजू तिवारी, आदर्श सिंह, देवेश शर्मा, संजय निर्मल, मुन्नू मिश्रा, शिवशंकर गुप्ता, गुड्डू दीक्षित, पवन द्विवेदी बचानी द्विवेदी सहित हजारों लोग उपस्थित रहे।

फौजी ने शादी से मना किया तो दी जान

संवाददाता

खीरों-रायबरेली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। जिले में प्रेमी के शादी करने से इनकार करने के बाद प्रेमिका ने सुसाइड कर लिया। इसके बाद पूरे परिवार में मातम पसर गया। लड़की के माता-पिता ने लड़के के घर जाकर शादी तय की थी। उसके बाद प्रेमी ने खुद प्रेमिका से शादी करने से मना कर दिया। इसे लड़की बर्दाश्त नहीं कर पाई और उसने गांव के बाहर पेड़ से फांसी लगाकर जान दे दी। पूरा मामला खीरों थाना क्षेत्र के मथुरा खेड़ा गांव का है।

पिटाई से टेलर की मौत

फतेहपुर, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। जिले में पुरानी रंजिश को लेकर टेलर मास्टर की दबंग युवक ने बीच रास्ते पर लाठी डंडे से मार मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने नजदीकी अस्पताल में उसको भर्ती कराया। वहां से इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

सत्यम बाजपेई व उज्जवल सोनी के उत्कृष्ट प्रदर्शन से कॉलेज का नाम हुआ रोशन

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। चंद्रशेखर मेमोरियल पब्लिक इंटर कॉलेज लालगंज के सत्यम बाजपेई पुत्र संजय बाजपेई और उज्जवल सोनी पुत्र राजकुमार सोनी ने जिस तरह से कड़ी मेहनत और दिन-रात की पढ़ाई करके जिले में छठवां और नवां स्थान प्राप्त किया है। उससे चंद्रशेखर मेमोरियल पब्लिक इंटरमीडिएट कॉलेज लालगंज की क्षेत्र में खूब चर्चा हो रही है और विद्यालय के प्रबंध निदेशक दीप प्रकाश शुक्ला और प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शुक्ला की शिक्षण व्यवस्था की भी वाहवाही हो रही है।

बताते चलें कि सत्यम बाजपेई ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में छठवां स्थान प्राप्त किया है। सत्यम वाजपेई के पिता संजय बाजपेई पेशे से अध्यापक हैं। पिता की छत्रछाया और विद्यालय की शानदार शिक्षण व्यवस्था से सत्यम बाजपेई ने जिले की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उज्जवल सोनी ने भी 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। जिले की मेरिट सूची में स्थान बनाते हुए नवां स्थान प्राप्त किया है। सत्यम बाजपेई और उज्जवल सोनी एवं उनके अभिभावकों ने चंद्रशेखर मेमोरियल पब्लिक इंटर कॉलेज की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा है कि विद्यालय के व्यवस्थापक दीप प्रकाश शुक्ला और प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शुक्ला की नजर विद्यालय के विद्यार्थियों पर हर समय रहती है और समय-समय पर वे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बच्चों को उत्साहित भी करते रहते हैं जिसके चलते सीएमपीएस के बच्चों के नाम जिले की मेरिट में आए हैं।

आग ने कई किसानों की फसल को जलाकर किया राख

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। खेतों में अचानक लगी आग से किसानों की गेहूं की फसल जलकर राख में तब्दील हो गई जिसे देखकर किसानों का बुरा हाल हो गया। मामला बहाई ग्राम सभा के पुरवा चमनगंज का है जहां दोपहर को लगी आग ने किसानों के खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को अपनी चपेट में ले लिया देखते ही देखते गेहूं की फसल जलकर राख हो गई जानकारी होते ही लोगो ने कड़ी मशक्कत करके किसी तरह से आग में काबू पा लिया जिससे और फसल नुकसान होने से बच गई। जानकारी मिलते ही राजस्व निरीक्षक सत्यभवन शुक्ला अपने सहयोगी सहित फौरन मौके पर पहुंचे तथा आग से हुए नुकसान का जायजा लिया तथा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि विद्युत से लगी आग से जनेश, रतीपाल ,राजबहादुर आदि किसानों की लगभग 16 बिस्वा भूमि में खड़ी गेहूं की फसल जल गई है जिसकी जांच मैने कर ली है सरकार से मिलने वाली सहायता की कार्यवाही की जा रही है सहायता राशि का अनुमोदन होते ही पीड़ित किसानों को दी जायेगी।

खंती में पड़ा मिला बुजुर्ग का शव

संवाददाता

उन्नाव, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। जिले के पुरवा कोतवाली क्षेत्र के रायपुर गांव में तीन दिन पहले मांगलिक कार्यक्रम में आए लापता बुजुर्ग का सड़क किनारे खंती में शव पड़ा मिला। जानकारी पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान के बाद हत्या का आरोप लगा मंगतखेड़ा कांथा मार्ग जाम किया और हंगामा करने लगे। अपर पुलिस अधीक्षक ने परिजनों को समझाकर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पिता-पुत्र की मौत

संवाददाता

अमेठी,22 अप्रैल (नवसत्ता)। एक बाइक सवार पिता पुत्र को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस और परिजनों ने दोनों घायलों को अमेठी सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने पिता को मृत घोषित कर दिया, जबकि बेटे को जिला अस्पताल रेफर किया गया जहां उसकी भी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हादसा करने वाली गाड़ी की तलाश शुरू कर दी है।

अमेठी कोतवाली क्षेत्र के मुंशीगंज रोड स्थित फ्लाईओवर के पास देर रात करीब 12 बजे मुंशीगंज कस्बा के रहने वाले सब्जी व्यवसायी अम्बिका कनौजिया अपने बेटे लोकेश कनौजिया के साथ अमेठी कोतवाली क्षेत्र के महमदपुर गांव में आयोजित शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर जा रहे थे। अभी दोनों पिता पुत्र फ्लाईओवर के पास पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही तेज रफ्तार गाड़ी ने टक्कर मार दी।

हादसे के बाद दोनों बीच सड़क गिर गए। सहालग का सीजन और बीच सड़क पर हुई घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही अमेठी कोतवाली पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को सीएचसी पहुंचाया। जहां पिता को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया जबकि जिला अस्पताल पहुंचने पर बेटे की भी मौत हो गई। एक साथ हुई दो मौतों के बाद पूरे मुंशीगंज कस्बे में शोक का माहौल है।

मृतक अम्बिका कनौजिया कस्बे में ही सब्जी की दुकान लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था जबकि बेटा लोकेश कनौजिया कस्बे में ही स्थित है कॉस्मेटिक की दुकान पर नौकरी करता था।

जल्लाद बाप ने बेटे की हत्या कर खेत में जलाया शव, तालाब में फेंकी हड्डियां

संवाददाता

लखीमपुर खीरी, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। जिले के मितौली क्षेत्र के गनेशपुर गांव में युवक बिजेंद्र (30) की उसके ही पिता रामनक्षत्र ने हत्या कर दी। इसके बाद शव जलाने के बाद हड्डियां तालाब में फेंक दीं। पुलिस ने रामनक्षत्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने तालाब से 30 से ज्यादा हड्डियां बरामद कर लीं। घटना की वजह यह है कि रामनक्षत्र बेटे को अपनी संपत्ति से बेदखल करना चाहता था, इसमें कामयाब नहीं हुआ तो उसे मार डाला।

रामनक्षत्र का बिजेंद्र से अक्सर झगड़ा होता था। होली वाले दिन पिता से झगड़े के बाद बिजेंद्र की अपनी पत्नी नीलम से कहासुनी हुई।

इस पर नीलम नाराज होकर तीनों बच्चों के साथ शारदानगर इलाके के मूलचंद पुरवा में अपने मायके चली गई। वहां रहते हुए नीलम की बिजेंद्र से फोन पर कई बार बात हुई। बिजेंद्र ने नीलम को ऑनलाइन रुपये भी ट्रांसफर किए थे। मगर अब कुछ दिनों से बिजेंद्र का फोन स्विच ऑफ मिल रहा था।

इस पर नीलम रामनवमी वाले दिन 17 अप्रैल को ससुराल वापस आ गई। पति घर पर नहीं मिला तो तलाश शुरू की। उसने ससुर पर पति को गायब करने का शक जाहिर करते शनिवार को मितौली थाने में गुमशुदगी दर्ज करा दी। सीओ मितौली शमशेर बहादुर सिंह के मुताबिक रविवार सुबह रामनक्षत्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने पूरी घटना कबूल कर ली।

गनेशपुर गांव में पिता द्वारा बेटे की हत्या का मामला खुलने पर फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम ने जहां शव जलाया गया, वहां से भी साक्ष्य एकत्र किए। इसके बाद टीम ने तालाब से हड्डियां बरामद कीं और कई साक्ष्य एकत्र किए हैं। आरोपी पिता रामनक्षत्र ने गनेशपुर गांव स्थित अपने मकान से करीब 700 मीटर दूर सूखे तालाब के पास खेत में शव जलाया। इसके बाद वहां से एक किमी दूर दूसरे तालाब में बेटे की हड्डियां फेंकीं थीं।

नोटिस नमूना आम

न्यायालय श्रीमान सिविल जज सी0 डि0 कोर्ट नं0 10 रायबरेली। एम0 एन0 आर0 नं0-659/2019 ई0।

विशिष्ट अवस्थी **बनाम** राजेन्द्र कुमार आदि।

कायम मुकाम प्रतिवादी-श्रीमती लक्ष्मी अवस्थी पत्नी राजेन्द्र कुमार निवासिनी-मकान नं0-222 अतरहर, परगना-रायबरेली, तहसील-लालगंज, जिला-रायबरेली।

चूंकि ऊपर नामांकित प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि कायम मुकामी हेतु अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ किसी की भी कोई आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते हैं तो दिनांक 03 माह 07 सन् 2024 ई0 को............ दिन 10 बजे पूर्वान्ह में इस न्यायालय में उपस्थित होकर या सम्यकरूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और यदि आप ऐसा करने में असफल रहे तो उक्त आवेदन की सुनवाई एक पक्षीय करके वाद निर्णत कर दिया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक...... माह............ सन.............. ई0 को जारी की गयी।

दिनांक:.............

न्यायालय के आदेशानुसार

नोटिस नमूना आम

न्यायालय श्रीमान सिविल जज जू0 डि0 कोर्ट नं0 16 रायबरेली। एम0 एन0 आर0 नं0-573/2022 ई0।

विटई पत्नी स्व0 श्रीराम सोनकर निवासिनी वार्ड संख्या 6 तोपखाना, परगना व तहसील सदर जिला-रायबरेली.................प्रार्थिनी।

बनाम

1. हरखास आम वार्ड संख्या 06 तोपखाना परगना तहसील सदर रायबरेली। 2. उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा जिलाधिकारी महोदय रायबरेली।

चूंकि ऊपर नामांकित प्रार्थिनी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि उत्तराधिकार हेतु अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ किसी की भी कोई आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते हैं तो दिनांक 29 माह 04 सन 2024 ई0 को.............. दिन 10 बजे पूर्वान्ह में इस न्यायालय में उपस्थित होकर या सम्यकरूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और यदि आप ऐसा करने में असफल रहे तो उक्त आवेदन की सुनवाई एक पक्षीय करके वाद निर्णत कर दिया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक...... माह............ सन.............. ई0 को जारी की गयी।

दिनांक: ....

न्यायालय के आदेशानुसार

नोटिस नमूना आम

न्यायालय श्रीमान सिविल जज जू0 डि0 कोर्ट नं0 16 रायबरेली। एम0 एन0 आर0 नं0-187/2024 ई0।

वीरेन्द्र कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद निवासी-ग्राम कटरा, मजरे-कैर, परगना-सेमरौता, तहसील-महराजगंज, जिला-रायबरेली व एक अन्य..............................प्रार्थी।

बनाम

हरखास आम/उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा जिलाधिकारी महोदय रायबरेली। श्रीमान शाखा प्रबंधक महोदय यूको सिंहपुर, जिला-अमेठी। श्रीमान शाखा प्रबंधक महोदय बड़ौदा यू0पी0 ग्रामीण बैंक शाखा अहोरवा भावानी जिला-अमेठी।

चूंकि ऊपर नामांकित प्रार्थिनी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि उत्तराधिकार हेतु अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफकिसी की भी कोई आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते हैं तो दिनांक 02 माह 05 सन् 2024 ई0 को............ दिन 10 बजे पूर्वान्ह में इस न्यायालय में उपस्थित होकर या सम्यकरूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और यदि आप ऐसा करने में असफल रहे तो उक्त आवेदन की सुनवाई एक पक्षीय करके वाद निर्णत कर दिया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक...... माह............ सन.............. ई0 को जारी की गयी।

दिनांक: ....

न्यायालय के आदेशानुसार

नोटिस नमूना आम

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय लालगंज रायबरेली

वाद संख्या सन ई

अमरपालसिंह वादी/प्रार्थी

बनाम

ग्रामसभा शोभवापुर प्रतिवादी/विपक्षी

1. राजबक्श सिंह पुत्र बसन्त बहादुर सिंह 2. अवधेश बहादुर सिंह पुत्र जगेश्वर सिंह 3. गनेश कुमार पुत्र रामकुमार 4.श्रीमती देवी पत्नी रामकुमार 5.श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी सुरेश बहादुर सिंह 6. राजेन्द्र प्रताप सिंह 7. वीरेन्द्र प्रताप सिंह 8. सुरेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र गण विश्वनाथ सिंह 9. रवेन्द्र बहादुर सिंह पुत्र रामशंकर सिंह 10.श्रीमती शीला सिंह पत्नी रामशंकर सिंह 11.शिवशंकर सिंह पुत्र रामनरायन सिंह 12. इंद्रेश विक्रम सिंह पुत्र रवेन्द्र बहादुर सिंह 13.श्रीमती सावित्री पत्नी स्वर्गीय कुंवर बहादुर सिंह 14.संजय सिंह 15. राजीव कुमार सिंह पुत्र गण कुंवर बहादुर सिंह 16.श्रीमती रघुराजी सिंह पत्नी गौरीशंकर सिंह 17. नीरज कुमार सिंह 18.धीरज कुमार सिंह पुत्र गण गौरीशंकर सिंह समस्त निवासी गण ग्राम शोभवापुर परगना डलमऊ तहसील लालगंज जनपद रायबरेली।

चूंकि ऊपर नामांकित वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि धारा 80 उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ किसी प्रकार की भी कोई आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते है तो आप दिनांक 27.04.2024 ई को दिन में 10 बजे पूर्वान्ह में इस न्यायालय में उपस्थित होकर स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और यदि आप ऐसा करने में असफल रहे तो उक्त आवेदन की सुनवाई एक पक्षीय करके वाद निर्णत कर दिया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 20 माह 04 सन 2024 ई को जारी की गई।

दिनांक

हस्ताक्षर पीठासीन अधिकारी

नोटिस नमूना आम

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय लालगंज रायबरेली

वाद संख्या सन ई

परीक्षित बहादुर सिंह वादी/प्रार्थी

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिवादी/विपक्षी

1. हरेंद्र बहादुर सिंह 2. देवेंद्र बहादुर सिंह पुत्र गण शीतलाबक्स सिंह 3. विवेक सिंह 4. विनीत सिंह पुत्र गण नरेन्द्र बहादुर सिंह 5. श्रीमती सरिता सिंह पत्नी नारेंद्र बहादुर सिंह 6. पंकज सिंह पुत्र सत्येंद्र बहादुर सिंह 7. भावेश सिंह 8. दिनेश सिंह पुत्र गण गजेंद्र सिंह 9. श्रीमती अनीता सिंह पत्नी लाखन सिंह निवासी गण ग्राम कुम्हरौड़ा परगना खीरों तहसील लालगंज रायबरेली 10. श्रीमती शिवकुमारी पत्नी जबर सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट मेरुई परगना खीरों तहसील लालगंज रायबरेली 11. श्रीमती साधना वर्मा पत्नी नीरज कुमार वर्मा निवासी 12 केशलपुर चौक खास पारा बस्तर तोकापाल राजूर जिला बस्तर छत्तीसगढ़ 12. श्रीमती सुषमा सिंह पत्नी रावेंद्र सिंह निवासी उगाभाद परगना खीरों तहसील लालगंज जिला रायबरेली 13. श्रीमती सपना सिंह पत्नी वीर विक्रम सिंह निवासी झगरपुर पोस्ट बारा तहसील बीघापुर जिला उन्नाव 14. उपेंद्र बहादुर सिंह 15. धर्मेंद्र बहादुर सिंह पुत्र गण दिनेश प्रताप सिंह निवासी हरीपुर निहस्था परगना खीरों तहसील लालगंज रायबरेली 16. रामराज पुत्र रामधनी निवासी सूदनखेड़ा परगना खीरों तहसील लालगंज रायबरेली 17. श्रीमती शिल्पी देवी पत्नी सचिन कुमार निवासी तिवारीपुर खुर्द तहसील लालगंज रायबरेली 18. श्रीमती गीता देवी पत्नी प्रेमसागर निवासी बिंदाखेड़ा मजरे बकुलिहा परगना खीरों तहसील लालगंज जिला रायबरेली 19. श्रीमती अनसूया पत्नी संतोष बहादुर सिंह निवासी लच्छीपुर परगना खीरों तहसील लालगंज जिला रायबरेली 20. मिथिलेश कुमार शुक्ला पुत्र रामविलास शुक्ला निवासी उगाभाद हाल मुकाम 687 रोड नंबर 2 श्रीनाथ स्कूल के पीछे पुरोहितो की भादडी उदयपुर 21. अवधेश कुमार शुक्ला पुत्र रामविलास शुक्ला निवासी उगाभाद हाल मुकाम पारिख जी की बाड़ी गली नंबर 2 पुरोहितों की भादडी उदयपुर 22. श्रीमती निर्मला मिश्रा पत्नी मिथिलेश कुमार मिश्रा निवासी राजपति नगर मजरे धनाभाद परगना खीरों तहसील लालगंज रायबरेली 23. श्रीमती पिंकी सिंह पत्नी शैलेन्द्र बहादुर सिंह निवासी पूरे जबर सिंह मजरे मैदैमऊ परगना सरेनी तहसील लालगंज रायबरेली।

चूंकि ऊपर नामांकित वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि धारा 80 राजस्व संहिता (गाटा संख्या 365 के ग्राम धनाभाद परगना खीरों के बाबत)अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ किसी प्रकार की भी कोई आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते है तो आप दिनांक 27.04.2024 ई को दिन में 10 बजे पूर्वान्ह में इस न्यायालय में उपस्थित होकर स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और यदि आप ऐसा करने में असफल रहे तो उक्त आवेदन की सुनवाई एक पक्षीय करके वाद निर्णत कर दिया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 20 माह 04 सन 2024 ई को जारी की गई।

दिनांक 20.04.2024

हस्ताक्षर पीठासीन अधिकारी

नोटिस नमूना आम

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय लालगंज रायबरेली

वाद संख्या सन ई

श्रीमती पिंकी सिंह वादी/प्रार्थी

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिवादी / विपक्षी

1. हरेंद्र बहादुर सिंह 2. देवेंद्र बहादुर सिंह पुत्र गण शीतलाबक्स सिंह 3. विवेक सिंह 4. विनीत सिंह पुत्र गण नरेन्द्र बहादुर सिंह 5. श्रीमती सरिता सिंह पत्नी नारेंद्र बहादुर सिंह 6. पंकज सिंह पुत्र सत्येंद्र बहादुर सिंह 7. भावेश सिंह 8. दिनेश सिंह पुत्र गण गजेंद्र सिंह 9. श्रीमती अनीता सिंह पत्नी लाखन सिंह निवासी गण ग्राम कुम्हरौड़ा परगना खीरों तहसील लालगंज रायबरेली 10. श्रीमती शिवकुमारी पत्नी जबर सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट मेरई परगना खीरों तहसील लालगंज रायबरेली 11. श्रीमती साधना वर्मा पत्नी नीरज कुमार वर्मा निवासी 12 केशलपुर चौक खास पारा बस्तर तोकापाल राजूर जिला बस्तर छत्तीसगढ़ 12. श्रीमती सुषमा सिंह पत्नी रावेंद्र सिंह निवासी उगाभाद परगना खीरों तहसील लालगंज जिला रायबरेली 13. श्रीमती सपना सिंह पत्नी वीर विक्रम सिंह निवासी झगरपुर पोस्ट बारा तहसील बीघापुर जिला उन्नाव 14. उपेंद्र बहादुर सिंह 15. धर्मेंद्र बहादुर सिंह पुत्र गण दिनेश प्रताप सिंह निवासी हरीपुर निहस्था परगना खीरों तहसील लालगंज रायबरेली 16. रामराज पुत्र रामधनी निवासी सूदनखेड़ा परगना खीरों तहसील लालगंज रायबरेली 17. श्रीमती शिल्पी देवी पत्नी सचिन कुमार निवासी तिवारीपुर खुर्द तहसील लालगंज रायबरेली 18. श्रीमती गीता देवी पत्नी प्रेमसागर निवासी बिंदाखेड़ा मजरे बकुलिहा परगना खीरों तहसील लालगंज जिला रायबरेली 19. श्रीमती अनसूया पत्नी संतोष बहादुर सिंह निवासी लच्छीपुर परगना खीरों तहसील लालगंज जिला रायबरेली 20. मिथिलेश कुमार शुक्ला पुत्र रामविलास शुक्ला निवासी उगाभाद हाल मुकाम 687 रोड नंबर 2 श्रीनाथ स्कूल के पीछे पुरोहितो की भादडी उदयपुर 21. अवधेश कुमार शुक्ला पुत्र रामविलास शुक्ला निवासी उगाभाद हाल मुकाम पारिख जी की बाड़ी गली नंबर 2 पुरोहितों की भादडी उदयपुर 22. श्रीमती निर्मला मिश्रा पत्नी मिथिलेश कुमार मिश्रा निवासी राजपति नगर मजरे धनाभाद परगना खीरों तहसील लालगंज रायबरेली 23. परीक्षित बहादुर सिंह पुत्र अभिमन्यु सिंह निवासी लच्छीपुर परगना खीरों तहसील लालगंज रायबरेली।

चूंकि ऊपर नामांकित वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि धारा 80 राजस्व संहिता (गाटा संख्या 365 के ग्राम धनाभाद परगना खीरों के बाबत)अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ किसी प्रकार की भी कोई आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते है तो आप दिनांक 27.04.2024 ई को दिन में 10 बजे पूर्वान्ह में इस न्यायालय में उपस्थित होकर स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और यदि आप ऐसा करने में असफल रहे तो उक्त आवेदन की सुनवाई एक पक्षीय करके वाद निर्णत कर दिया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक20 माह 04 सन 2024 ई को जारी की गई।

दिनांक 20.04.2024

हस्ताक्षर पीठासीन अधिकारी

अयोध्या और काशी ने लक्ष्य पा लिया है, अब ब्रज की बारी है: योगी

संवाददाता

फतेहपुर सीकरी, 22 अप्रैल (नवसत्ता) यह पूरा क्षेत्र ब्रज भूमि का भाग है। गिरिराज महराज की यहां बड़ी कृपा है। दुनिया यहां के रज-रज में कृष्ण कन्हैया का दर्शन करती है। सौभाग्य है कि इस धरती पर रहकर जीवन यापन कर आप सभी लोग भारत माता की सेवा करने में लगे हैं। अयोध्या और काशी ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है। अब ब्रज भूमि का भी नंबर आने वाला है। विकास के लिए अब आपको तरसाने की कोई हिम्मत नहीं कर पाएगा। अब आगरा में भी एयरपोर्ट बन रहा है।

आगरा भी गंगाजल का सेवन कर रहा है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने सोमवार को किरावली में जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, फतेहपुर सीकरी के सांसद/ प्रत्याशी राजकुमार चाहर को फिर से सदन भेजने की अपील की। सीएम ने आग्रह किया कि घर-घर जाइए, मतदान का प्रतिशत बढ़ाइए। सीएम ने कहा कि इस माटी के लाल आरकेएस भदौरिया वायु सेनाध्यक्ष के बाद भाजपा संग मिलकर आपके लिए कार्य करने को तत्पर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस, सपा-बसपा के लोग माफिया व अपराधी को गले का हार बनाकर बेटी-व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगा रहे थे। यह लोग माफिया की कब्र पर जाकर फातिहा पढ़ रहे हैं। चुनाव में इन्हें बोल दीजिए, वोट तो कमल पर जाएगा, तुम लोगों को पांच साल की छुट्टी दे रहे हैं, जाओ-खूब फातिहा पढ़ो। हम अयोध्या में रामलला का दर्शन करा रहे हैं तो माफिया का राम-नाम सत्य भी करा रहे हैं। भाजपा सरकार है तो यह अद्भुत संयोग है। हमारा नारा राष्ट्रवाद है, जातिवाद नहीं। जाति व परिवार की बात करने वाले देश को कमजोर करना चाहते हैं। सीएम योगी ने कहा कि रामनवमी के दिन भगवान राम का सूर्य तिलक हुआ था। एक तरफ कांग्रेस, सपा-बसपा के लोग कहते थे कि क्या प्रमाण है कि राम का जन्म अयोध्या में हुआ। यह कहते थे कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं थे, जैसे लगता था कि इस सृष्टि के पहले कांग्रेस, सपा-बसपा, ही पैदा हो गई थी। पीएम मोदी का प्रताप है कि इन लोगों का झूठ फेल हो गया और रामलला का मंदिर भी बन गया। पीएम मोदी ने ही अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास किया और प्राण-प्रतिष्ठा भी की। सूर्य तिलक के समय पीएम भले ही अयोध्या में नहीं थे, लेकिन उनका मन अयोध्या में ही था। 500 वर्ष बाद रामलला को अपनी जन्मभूमि पर ही जन्मोत्सव मनाने का अवसर प्राप्त हुआ। भारत ने साबित कर दिया कि जो भी कौम विरासत का सम्मान करेगा, उसे दुनिया में सम्मान मिलेगा। सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ विरासत का सम्मान तो दूसरी तरफ विकास के कार्य भी हो रहे हैं। 1947 में पाकिस्तान भारत से अलग हुआ था। भारत में 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन मिल रहा है और पाकिस्तान में 23 करोड़ जनता भूखों मर रही है। पाकिस्तान की आबादी से अधिक लोगों को पीएम मोदी के नेतृत्व में दस वर्ष में गरीबी रेखा से उठाकर खुशहाल व स्वावलंबी जीवन दिया गया।

कांग्रेस व सपा वाले गरीबों के हकों पर डकैती डालने के लिए जनधन अकाउंट नहीं खोलते थे। गरीब सर्दी में ठिठुरता था तो बरसात में भूखों सो जाता था, लेकिन मोदी जी के राज में सबका साथ-सबका विकास के आधार पर योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सुविधा सबको, लेकिन तुष्टिकरण किसी का नहीं। सीएम योगी ने कहा कि भाजपा सरकार ने विरासत व विकास का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया है। पीएम कृषि सिंचाई योजना, पीएम किसान बीमा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि के पीछे पीएम मोदी का नेतृत्व-मार्गदर्शन है तो संगठन के माध्यम से देश में ले जाने का कार्य भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व आपके सांसद राजकुमार चाहर कर रहे हैं।

आपके लिए गौरव की बात है कि आपके सांसद पूरे देश के किसानों के लिए कार्य कर रहे हैं।

आपका दायित्व बनता है कि राम-कृष्ण पर प्रश्न खड़े करने वालों, गंगाजल के लिए तरसाने वालों को वोट के लिए तरसा दीजिए।

जनता की आकांक्षा के अनुरूप हुए हैं देश में विकास के कार्य

लखनऊ- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी सरकार में जनता की आकांक्षा के अनुरूप विकास के कार्य हुए हैं। ये पहली बार देश में देखने को मिला है। विकास और विरासत का अद्भुत समन्वय पीएम मोदी की पहचान है। इस दिशा में अद्भुत कार्य हुए हैं। उन्होंने बताया कि इन मुद्दों पर चर्चा करने पर पब्लिक का रिस्पॉन्स मिलता है। जिन मुद्दों पर पब्लिक का सबसे ज्यादा समर्थन मिला है वो है इन्फ्रास्ट्रक्चर। आज देश में हाईवे दोगुने हुए हैं। 2014 से पहले 74 एयरपोर्ट थे आज इनकी संख्या डेढ़ सौ से ज्यादा हैं। कांग्रेस के समय केवल 1 एम्स बना था। अटल जी की सरकार के समय 6 नये एम्स की स्थापना हुई। मोदी जी के कार्यकाल में इनकी संख्या 22 हो गई है। इसी प्रकार आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी का विस्तार और वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज विकास की नई गाथा कह रहे हैं। सीएम योगी सोमवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार देश में विरासत का सम्मान भी देखने को मिला है। काशी में विश्वनाथ धाम, महाकाल में महालोक, केदारपुरी, बद्रीनाथ और सोमनाथ मंदिर का पुनरोद्धार और अयोध्या में 500 इंतजार का समाप्त होना व प्रभु श्रीराम का पुन~ विराजमान होना।

अंडर 19 लखनऊ डिस्ट्रिक्ट बास्केटबॉल जूनियर गर्ल्स टीम ने गोल्ड मेडल जीता

संवाददाता

लखनऊ, 22 अप्रैल (नवसत्ता) जिला बासकेट बाल ऐसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट नियाज अहमद से प्राप्त जानकारी के अनुसार समीहा यूसुफ की कप्तानी में लखनऊ की अंडर 19 बास्केटबॉल गर्ल्स टीम ने फाइनल में मेरठ बास्केटबॉल गर्ल्स टीम को हराया, फाइनल स्कोर (49-43) था। इससे पहले 2019 में मेरठ में अंडर 19 में लखनऊ बास्केटबॉल की लड़कियों ने फाइनल खेला था। दुर्भाग्य से वे फाइनल हार गए और दूसरे स्थान पर रहे धावक यूपीएस, लेकिन समर्पित कड़ी मेहनत, अभ्यास और समन्वय के साथ-साथ उचित मार्गदर्शन के बाद लखनऊ की बालिका वर्ग टीम ने आखिरकार पहली बार स्वर्ण पदक जीता और अपने जिले के लिए इतिहास रचा। इसी क्रम में लखनऊ में पुरुषों और महिलाओं के लिए 34वीं जूनियर उत्तर प्रदेश राज्य बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 16 अप्रैल से 22 तक चौधरी केहर सिंह दिव्य पब्लिक स्कूल, बड़ौत, बागपत में जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन बागपत द्वारा किया जाएगा। अंडर 19 जूनियर बास्केटबॉल गर्ल्स टीम की सूची (कैप्टन समीहा यूसुफ), अनुष्का चौहान (सीनियर नेशनल प्लेयर) तेजस्वनी सिंह (जूनियर नेशनल), खिलाड़ी)नव्या सिंह रेशमा यादव भाविका त्रिपाठीश्श दिव्यांशी शर्मा, ज्योति यादव, काजल, दृष्टि गुप्ता, शिनय ओबेरॉय, जान्हवी सिंह, टीम कोच. दल प्रभंधक। नियाज़ अहमद मनोज दुबे. चंद्रलेखा केसरवानी. उपाध्यक्ष लखनऊ जिला बास्केटबॉल।

भाजपा में शामिल हुए बसपा के कद्दावर नेता करुणाकर पांडेय

संवाददाता

लखनऊ, 22 अप्रैल (नवसत्ता) लोकसभा चुनावों के बीच में अयोध्या के एक बड़े ब्राह्मण नेता करुणाकर पाण्डेय बहुजन समाज पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हुए हैं। करुणाकर पांडेय बसपा में मंडल कोऑर्डिनेटर थे। उनके भाजपा में आने से पार्टी को ब्राह्मण समुदाय में अच्छी बढ़त मिलना तय है। उन्होंने बसपा में रहते हुए पार्टी के सोशल इंजीनियरिंग अभियान के तहत कई ब्राह्मण सम्मेलनों का आयोजन कराया और ब्राह्मणों को बसपा के साथ जोड़ने के लिए काम किया है। उन्हें बसपा सुप्रीमो मायावती ने ब्राह्मण समाज को जोड़ने का कार्य पूरे प्रदेश भर में दिया था। करुणाकर

पाण्डेय 2005 से 2015 तक अयोध्या जिला पंचायत सदस्य रहे और 2008 से 2010 तक अयोध्या के जिला पंचायत अध्यक्ष रहे।

इसके अलावा करुणाकर पाण्डेय बहुजन समाज पार्टी में बनारस लखनऊ मण्डल, देवीपाटन, अयोध्या के मुख्य सेक्टर कोआर्डीनेटर भी थे। ब्राह्मण नेता अयोध्या में करुणाकर पाण्डेय ब्राह्मण समाज के बड़े नातों में शुमार हैं और उन्होंने 2021 में अयोध्या में बसपा का पहला ब्राह्मण सम्मेलन आयोजित किया था। इसके अलावा वह अयोध्या जिला और प्रदेश स्तरीय प्रबुद्ध ब्राह्मण सम्मेलन भी करा चुके हैं। करुणाकर पांडेय लखनऊ में अयोध्या के संतों, महंतों का एक संत सम्मेलन भी करा चुके हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव के पूर्व उन्होंने अयोध्या तथा कम से कम बीस अन्य जिलों में ब्राह्मण सम्मेलन कराया।

मासूम की पानी की टंकी में डूबने से मौत

संवाददाता

बस्ती, 22 अप्रैल (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के हर्रैया क्षेत्र में एक सात माह के बच्चे की पानी की टंकी में डूबने से मौत हो गयी है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया है कि क्षेत्र के महावीर पुरवा अमारी बाजार में रविवार की देर रात्रि को पानी की टंकी मे डूबने से सात माह के मासूम अनंत उर्फ कृष्णा पुत्र रवि सोनी की डूबने से मौत हो गयी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच पड़ताल किया जा रहा है। स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि किन परिस्थितियों में सात माह का बच्चा छत पर पानी की टंकी मे कैसे पहुंच गया परिवार के लोगों से पूछताछ की जा रही है। आरोप है कि परिवार में किसी बात पर विवाद के बाद उसकी

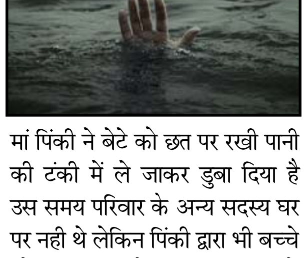

मां पिंकी ने बेटे को छत पर रखी पानी की टंकी में ले जाकर डुबा दिया है उस समय परिवार के अन्य सदस्य घर पर नही थे लेकिन पिंकी द्वारा भी बच्चे को मारने का आरोप परिवार के सदस्यों पर लगा जा रहा है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पिंकी का पति रवि सोनी डीजे बजाने का काम करते है रविवार की रात्रि को वो डीजे बजाने के लिए बुकिंग पर चले गये थे घर पर उनकी माता आशा देवी दुकान पर थी तथा बहन सुषमा सोनी पड़ोसी के घर गयी हुई थी उसी दौरान यह घटना घटी है। पति-पत्नी में कुछ दिनों से अनबन चल रहा था।

बरेली में सपा प्रत्याशी समेत दो पर एफआईआर

संवाददाता

बरेली, 22 अप्रैल (नवसत्ता) बरेली में आंवला लोकसभा सीट पर बसपा प्रत्याशी बताकर नामांकन करने वाले कथित प्रत्याशी सत्यवीर सिंह व आंवला से सपा प्रत्याशी नीरज मौर्य पर विभिन्न धाराओं में रविवार रात एफआईआर दर्ज हुयी है। यह एफआईआर आंवला लोकसभा सीट से बसपा प्रत्याशी आबिद अली ने कोतवाली थाने में दर्ज कराई है। आरोप है कि सपा प्रत्याशी ने ही बसपा के खिलाफ साजिश करते हुए सत्यवीर सिंह से फर्जी कागजात तैयार कराकर बसपा प्रत्याशी के रूप में नामांकन कराया था। वहीं बरेली सीट पर बसपा प्रत्याशी छोटेलाल गंगवार का नामांकन निरस्त होने पर बसपा मंडल को-ऑर्डिनेटर ब्रह्म स्वरूप सागर और जिला अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह को पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

संगठन ने ओंकार कातिब जिला अध्यक्ष नामित किया है। क्षेत्रधिकारी प्रथम पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि आंवला लोकसभा सीट से बसपा प्रत्याशी आबिद अली की शिकायत पर सत्यवीर सिंह व आंवला से सपा प्रत्याशी नीरज मौर्य पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है। उन्होंने कहा कि प्रपत्रों की जाँच के आधार पर प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। बसपा ने आंवला सीट पर आबिद अली को प्रत्याशी बनाया है। वहीं बरेली सीट पर पूर्व विधायक छोटेलाल गंगवार को प्रत्याशी बनाया। दोनों ही सीट पर नामांकन दाखिल कर दिए। लेकिन आंवला सीट पर कथित सत्यवीर सिंह ने भी खुद को बसपा प्रत्याशी बताते हुए नामांकन किया। इस मामले में 20 अप्रैल को जांच हुई तो बसपा से बरेली प्रत्याशी छोटेलाल गंगवार का नामांकन निरस्त हो गया, उनके कागज पूरे नहीं मिले। वहीं आंवला सीट पर दो नामांकन होने के चलते आबिद अली का भी निरस्त होते होते बचा। खुद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का उम्मीदवार बता कर लोकसभा चुनाव में नामांकन करने वाले शाहजहांपुर निवासी सत्यवीर सिंह और सपा से आंवला प्रत्याशी नीरज मौर्य पर बरेली कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी, जालसाजी समेत कई धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बसपा प्रत्याशी आबिद अली की तहरीर पर एफआईआर हुई है।

हरदोई में सात गोकश तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

हरदोई, 22 अप्रैल (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले के अतरौली कोतवाली क्षेत्र में सोमवार तड़के पुलिस और सर्विलांस टीम की गोकशी करने वाले एक गिरोह से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की मुठभेड़ में दोनों तरफ से हुई जवाबी फायरिंग में गोकशी करने वाले शातिर गैंग का सरगना पुलिस की गोली लगने से घायल हुआ हैं जो अम्बेडकर नगर जिले का रहने वाला है जबकि गैंग के छह अन्य सदस्यों को मौके पर पकड़ा गया है जो राजस्थान और अमेठी जिले के रहने वाले है । पुलिस और गोकशी करने वाले बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन सिपाही भी मामूली रूप से घायल हुए है। पुलिस ने मौके से दो बाइक और बदमाशों के पास से चार असलहे व कारतूस बरामद किये है। पुलिस ने मुठभेड़ में घायल गोकशी करने वाले आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया है पुलिस अधीक्षक केशव चंद्र गोस्वामी ने आज यहाँ बताया हरदोई पुलिस को गोकशी करने वाले शातिर गिरोह के बारे में अतरौली कोतवाली के भिरका गांव के पास बाबुल के जंगल में होने की सूचना मिली थी जिसके बाद अतरौली पुलिस बेनीगंज कोतवाली पुलिस और सर्विलांस टीम ने जब इस जो तस्करी करने वाले गैंग की घेराबंदी की तब गोमांस की तस्करी करने वाले शातिर अपराधियों ने पुलिस को देखकर गोली चलाते हुए फरार होने की कोशिश की। बदमाशों को भागता देख कर पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की जिसमें आंबेडकर जिले के लोरपुर ताजन गांव का रहने वाला नवी सरवर पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया जबकि भाग रहे अमेठी जिले के बरसंडा गांव के जाबिर और इरफ़ान के अलावा राजस्थान भिलवाड़ा जिले के श्यामा और बूंदी जिले के बलबीर रणजीत और राहुल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से दो बाइक और चार असलहे बरामद किये है। गौतरलब हो की 11 अप्रैल को अतरौली थाने के गाढ़ी नेवादा गांव में एक ट्रक में लदे 40 गोवंश बरामद किये गए थे जबकि उनकी तस्करी करने वाले मौके से फरार हो गए थे।

संतकबीरनगर में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद पर हमला, चार गिरफ्तार

संवाददाता

संतकबीरनगर, 22 अप्रैल (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश में संतकबीरनगर जिले के खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदपुर कठार में 21/22 अप्रैल की रात प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद पर हमला करने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस घटना में मंत्री का चश्मा टूट गया है और उनकी नाक पर चोट लगी है। मंत्री ने सपा कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाया है और धरने पर बैठ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मंत्री के पीएसओ की तहरीर पर यादव समाज के आठ युवकों को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया गया। पुलिस ने चार नामजद

आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार भी कर लिया। अन्य की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक शशि शेखर सिंह ने यहां बताया कि प्रदेश के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद 21/22अप्रैल की देर रात लगभग12 बजे अपने समर्थकों के साथ खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदपुर कठार में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। इस दौरान कुछ लोगों ने मंत्री से विवाद किया और धक्का-मुक्की तथा मारपीट की। इस घटना में मंत्री की नाक पर चोट आई है और उनका चश्मा भी टूट गया है। घटना के संबंध में मंत्री के पीएसओ की तहरीर पर आठ लोगों के विरुद्ध बलवा, मारपीट व जानलेवा हमले की धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया तथा चार आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार भी कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। कैबिनेट मंत्री डा. संजय निषाद ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उनके समर्थकों से मारपीट की है। मंत्री डा. संजय निषाद ने बताया कि वह बीती रात में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे जहां कुछ लोग सांसद प्रवीण निषाद के साथी हैं। वहां कुछ लोगों द्वारा निषाद पार्टी को लेकर अमर्यादित शब्दों का भी प्रयोग किया गया। हमने समझाने का प्रयास किया तो उक्त लोग हमलावर हो गए।

मुझे और मेरे समर्थकों से उक्त लोगों ने मारपीट की। डॉ निषाद ने आरोप लगाते हुए कहा कि हमारे आने से समाजवादी पार्टी का पतन हो रहा है क्योंकि हम निषादों और अन्य जातियों का नेतृत्व कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा है कि इनका मन पहले से ही बढ़ा हुआ है। अब जब से मैं आया हूं तब से लोग जातीय संघर्ष करवा रहे हैं। उन्होंने अपनी सुरक्षा को लेकर प्रशासन को भी कटघरे में खड़ा किया।

60 वर्ष से लापता व्यक्ति परिजनों से मिला

संवाददाता

बस्ती, 22 अप्रैल (नवसत्ता) बस्ती जिले में सोनहा थाना क्षेत्र के अमरौली शुमाली टोला रामनगर गांव से करीब 60 वर्ष पहले लापता बुजुर्ग रविवार को एक संस्था के माध्यम से परिजनों से मिला है। जानकारी के अनुसार गांव निवासी शिवपूजन (78) पुत्र मोतीलाल चौधरी 1964 में करीब 18 वर्ष की उम्र में ही अपने घर से नाराज होकर चला गया था। उसके बाद से शिवपूजन का कुछ पता नहीं चला। कुछ दिन बाद इनके माता-पिता की भी मृत्यु हो गई। 2018 में शिवपूजन बीमारी के हालत में बिहार में सड़क किनारे पड़े मिले। पटना में चल रहे एक सामाजिक संस्था कर्मियों की निगाहे उसके उन पर पड़ी। उन्हें ले जाकर इलाज कराने के बाद संस्था में रख लिया। पूछताछ में कर्मियों ने नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम शिवपूजन बताया। उन्होंने पता भी बता दिया। संस्था कर्मी दीपक कुमार व महमूद ने सोनहा पुलिस से संपर्क किया और नाम पता तस्दीक कराकर रविवार को सोनहा थाने लाई। प्रभारी निरीक्षक रमजान अली व बीट आरक्षी ओम प्रकाश चौरसिया के माध्यम से गांव के लोगों को बुलाया गया। शिवपूजन को उनके चचेरे पोते उमेश चंद्र को ग्रामीणों के सामने सुपुर्द किया गया।

रामलला का दर्शन कर निहाल हुए 30 देशों के रामभक्त

संवाददाता

अयोध्या, 22 अप्रैल (नवसत्ता) श्रीरामलला का दर्शन करने सोमवार को 30 देशों से 90 विदेशी श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं का नेतृत्व वैश्विक भारत के ब्रांड अंबेस्डर व दिल्ली स्टडी ग्रुप के अध्यक्ष व पूर्व विधायक डॉ. विजय जौली ने किया। सभी श्रद्धालुओं का स्वागत रामनामी अंगवस्त्र देकर व माथे पर चंदन का तिलक लगाकर किया गया। इससे पहले बीती शाम सभी श्रद्धालु सरयू घाट पर आरती में भी शामिल हुए।

इस टोली ने हनुमान गढ़ी मंदिर पहुंचकर राम भक्त बजरंगबली का आशीर्वाद भी लिया। वहीं सोमवार को सभी ने श्रीराम मंदिर में बैठकर सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। इस दौरान प्रवासी भारतीयों की 400 श्रद्धालुओं की टोली ने भी रामलला के दर्शन किये। अयोध्या पहुंचने वालों में प्रमुख रूप से भूटान के राजदूत मेजर जनरल वेत्सोप नामग्याल, काउंसलर दोरजिक

किंजांग, चीन गणराज्य (ताइवान) प्रतिनिधि कुमारी त्साई जेन चुन, भारत में रोमानिया महावाणिज्य दूत विजय मेहता व टुवालू महावाणिज्य दूत डॉ. दीपक जैन और निर्वासित तिब्बत संसद के स्पीकर खेंपो सोनम तेनफेल उपस्थित रहे। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे।

दर्शन करने वाले प्रवासी भारतीयों में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, भूटान, कनाडा, कोलंबिया, कंबोडिया, जॉर्जिया, गुयाना, केन्या, कजाकिस्तान, मलेशिया, मोजाम्बिक, मकाऊ, नाइजीरिया, नेपाल, नॉर्वे, रोमानिया, रवांडा, स्पेन, सिंगापुर, सिंट मार्टेन, चीन गणराज्य (ताइवान), ताजिकिस्तान, त्रिनिदाद एण्ड टोबैगो, तुवालु, तिब्बत, युगांडा, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, संयुक्त राज्य अमेरिका इत्यादि देशों के प्रतिनिधि शामिल रहे। सभी के भोजन की व्यवस्था दिल्ली के समाजसेवी गोपाल गर्ग ने की।

बता दें कि बीते वर्ष 23 अप्रैल 2023 को डॉ. जौली की पहल पर 156 देशों व 7 महाद्वीपों के नदियों व समुद्रों के जल से राम मंदिर में अभिषेक किया गया था। इस अवसर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख राम लाल,विश्व हिन्दू परिषद के संरक्षक दिनेश,उज्बेकिस्तान के व्यवसायी अशोक के. तिवारी (प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित), भूपेंद्र कंसल (महामंत्री हिमालय परिवार) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कांग्रेस, सपा-बसपा की किस्मत पर अलीगढ़ का ताला लगा दीजिए : योगी

अलीगढ़, 22 अप्रैल (नवसत्ता) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा-बसपा व कांग्रेस के लोगों ने आपको विकास से वंचित रखा, आस्था से खिलवाड़ किया। सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया। अब अवसर आ गया है, चुनाव के माध्यम से उनकी किस्मत पर अलीगढ़ का ताला लगाइए और तीसरी बार पीएम मोदी के हाथों में देश की सत्ता सौंपिए। इससे भारत दुनिया की बड़ी ताकत बनेगा। आत्मनिर्भर व विकसित भारत बनाने के लिए पीएम के साथ पूरे देश का स्वर जुड़ रहा है। हर तरफ से आवाज आ रही है, फिर एक बार-मोदी सरकार, अबकी पार-400 पार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में अलीगढ़ के सांसद/भाजपा प्रत्याशी सतीश गौतम व हाथरस से अनूप वाल्मीकि प्रधान के लिए वोट मांगा। सीएम ने अपील की कि केवल कमल निशान देखना है और मोदी जी के दस वर्षों के कार्यों के प्रति वोट के रूप में कृतज्ञता ज्ञापित करना है। सीएम योगी ने कहा कि पहले चरण का चुनाव संपन्न हुआ। देश के अंदर 102 लोकसभा सीटों पर जनता-जनार्दन के मन में उत्साह व उमंग रहा। पीएम मोदी के दस वर्ष के कार्यों को ध्यान में रखते हुए जनता-जनार्दन का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। यूपी की सभी आठ सीटों पर विपक्षी दलों का खाता नहीं खुलने जा रहा है। दूसरे व तीसरे चरण के लिए भी मतदाताओं से यही आह्वान है।

आगरा में कार यमुना एक्सप्रेसवे पर पलटी, पांच मरे

संवाददाता

आगरा, 22 अप्रैल (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश में आगरा के एत्मादपुर क्षेत्र में नोएडा से देवरिया जा रही बारातियों की अर्टिगा कार यमुना एक्सप्रेस वे पर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस भीषण हादसे में पांच बरातियों की मौत हो गई और तीन लोग घायल गए। घायलों में दो को दिल्ली रेफर कर दिया गया, एक घायल का एसएन मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि शनिवार और रविवार की रात यह हादसा थाना एत्मादपुर के अंतर्गत कुबेरपुर इंटरचेंज के कर्व पर हुआ।

मरने वालों वालों की पहचान नोएडा के रहने वाले गौतम (दूल्हे का भाई), चंदन (32), सुदेश (28) और पटना निवासी संजीव शर्मा, प्रवीण के रूप में हुई।

नोएडा के रहने वाले राहुल, कुलदीप और गाजियाबाद के अजय कुमार गंभीर रूप से घायल हैं। बताया गया है कि कार की स्पीड तेज थी। इस दौरान ड्राइवर को झपकी आ गई। चंदन और सुदेश गौतम के दोस्त थे। कार सुदेश की थी और वह ही खुद ड्राइव कर रहा था। नोएडा यूसूफपुर चक साबेरी के रहने वाले संतोष की बरात देवरिया जा रही थी। हादसे के बाद शादी कैंसिल कर दी गई। अपर पुलिस आयुक्त सुकन्या शर्मा ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के तिगड़ी में रहने वाले संतोष की रविवार कोशादी थी। बस और कारों से बारात नोएडा से देवरिया जा रही थी। अर्टिगा कार में आठ लोग सवार थे। इस कार के पीछे-पीछे आ रहे अन्य बाराती हादसे के बाद वहीं रुक गए।

उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे लोगों को बमुश्किल बाहर निकाला। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पृथ्वी दिवस के अवसर पर होटल लिनेज में जल संरक्षण के लिए स्रोत स्थिरता और नवीन दृष्टिकोण पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमे आर ए यादव को इस क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया।

सम्पादकीय

मूल्य स्थिरता पर रिजर्व बैंक का जोर

भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक में मुद्रास्फीति से जुड़ी चिंताओं के कारण आधारभूत ब्याज दर (रेपो रेट) 6.5 प्रतिशत में कोई बदलाव नहीं किया है। केंद्रीय बैंक का मानना है कि मुद्रास्फीति के लक्ष्य को हासिल करने के लिए इसे जारी रखना जरूरी है तथा मूल्य स्थिरता से अर्थव्यवस्था की गति बनाये रखने में बड़ी मदद मिलेगी। रिजर्व बैंक से इसी तरह के निर्णय की अपेक्षा भी थी। हमारे देश में घरेलू स्तर पर गैर-खाद्य और गैर-तेल मुद्रास्फीति में बीते एक-डेढ़ साल में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। कुछ चीजों में मुद्रास्फीति घटी भी है।

लेकिन समस्या यह है कि खाद्य मुद्रास्फीति घटने का नाम नहीं ले रही है। इस मुद्रास्फीति में सबसे बड़ा कारक सब्जियों के दाम हैं। पिछले साल मौसम की गड़बड़ी के कारण खेती के उत्पादन पर नकारात्मक असर पड़ा था। इसके चलते महंगाई में वृद्धि स्वाभाविक थी। इस साल मानसून के सामान्य रहने का अनुमान है, लेकिन साथ में अत्यधिक लू और गर्म हवाओं के चलने की आशंका भी जतायी जा रही है। अगर ऐसा होता है, तो कुछ फसलों पर इसका असर जरूर पड़ेगा। ऐसे में रिजर्व बैंक ने इंतजार करने का फैसला लिया है।

रिजर्व बैंक के इस निर्णय का दूसरा प्रमुख पहलू है तेल के दामों को लेकर अनिश्चितता। पश्चिम एशिया में जो संकट अभी है, वह कभी भी कोई भी रूप ले सकता है। अभी ही कच्चे तेल के दामों में बढ़ोतरी का रुझान है। लाल सागर में समुद्री यातायात बाधित होने से आपूर्ति श्रृंखला में मुश्किलें बढ़ी हैं। अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है, तो हमारा आयात खर्च भी बढ़ेगा और घरेलू बाजार में भी दाम बढ़ेंगे।

इस आयाम को भी रिजर्व बैंक ने मद्देनजर रखा है। पिछले साल अमेरिका और यूरोप के बाजारों में मांग बढ़ी थी, लेकिन वैश्विक मांग के मामले में चीन एक महत्वपूर्ण अर्थव्यवस्था है। पिछले साल वहां मांग में कमी देखी गयी जिसके कारण कई वस्तुओं- स्टील, खनिज, सीमेंट, लोहा, तेल आदि- के दामों में कमी हुई या ठहराव हुआ। लेकिन ऐसा हमेशा तो चल नहीं सकता। अगर चीन की खरीद में थोड़ा भी सुधार आया, तो मुद्रास्फीति पर असर पड़ेगा। अभी चीन की आर्थिक वृद्धि के जो आंकड़े आये हैं, वे अनुमानों से कहीं अधिक हैं। यह स्थिति बनी रही, तो चीन से मांग भी बढ़ेगी।

भारत समेत तमाम देशों में केंद्रीय बैंकों का आज के दौर में मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखना महत्वपूर्ण काम हो गया है। ये बैंक इसलिए ब्याज दर बढ़ाते हैं कि उद्योग हों, परिवार हों या व्यक्ति हो, कर्ज कम लेंगे, जिससे बाजार में अपेक्षाकृत कम पैसा आयेगा और उससे दामों में गिरावट आयेगी।

हालांकि इस समझ के आलोचक भी हैं, पर अभी केंद्रीय बैंक इसी दृष्टिकोण से काम कर रहे हैं। हमारे देश में कानूनी तौर पर मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत से दो प्रतिशत अधिक या कम रहने पर माना जाता है कि मुद्रास्फीति नियंत्रण में है। इस हिसाब से मुख्य लक्ष्य उसे चार प्रतिशत के स्तर पर लाना है, जो अभी तक नहीं हो पाया है। अमेरिका में यह अनुमान लगाया जा रहा था कि मुद्रास्फीति को भी नियंत्रित किया जायेगा और अर्थव्यवस्था पर भी उसका कोई विशेष असर नहीं होगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है।

इसका कारण यह है कि मुद्रास्फीति एक खास स्तर पर जाकर ठिठक सी गयी है। भारत में भी ऐसा हुआ है, मुद्रास्फीति में कुछ कमी आयी है, पर वह चार प्रतिशत के स्तर से बहुत ऊपर है। उल्लेखनीय है कि विभिन्न कारणों से दुनियाभर के केंद्रीय बैंक अमेरिका के फेडरल रिजर्व का अनुसरण करते हैं। वहां भी ब्याज दरों में कटौती नहीं की गयी है। दोनों बैंकों के ब्याज दर में जो अंतर होता है, उसी के आधार पर निवेशक पैसा लगाने का निर्णय लेते हैं।

अगर उन्हें लगेगा कि अमेरिका में ब्याज दर भारत से बेहतर है, तो वे यहां के बाजार से पैसा निकालकर अमेरिका में निवेश कर देंगे क्योंकि उन्हें वहां अधिक मुनाफा होगा। ऐसे निवेशक मुख्य रूप से शेयर बाजार, प्रतिभूति और मनी मार्केट में पैसा लगाते हैं। इस कारण भी रिजर्व बैंक को फेडरल दर के हिसाब से अपनी दर तय करना पड़ता है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के एक सदस्य प्रो जयंत वर्मा ने रेपो रेट घटाने के पक्ष में वोट दिया है। उनका मानना है कि मुद्रास्फीति को लेकर वैसी गंभीर आशंका नहीं है, इसलिए दर में कुछ कटौती की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा है कि अधिक ब्याज दर से आर्थिक वृद्धि पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। बहरहाल, बहुमत से समिति ने निर्णय कर लिया है और अगले कुछ महीनों तक इसमें बदलाव की संभावना नहीं है।

समिति की अगली बैठक पांच से सात जून के बीच होगी। ऐसा लगता है कि अक्टूबर में ही इस संबंध में कोई निर्णय लिया जायेगा। तब तक मानसून और मौसम के मिजाज का पता भी चल जायेगा तथा संभवतः पश्चिम एशिया में भी मामला कुछ सामान्य हो जायेगा। लेकिन अभी खाद्य और तेल की मुद्रास्फीति को लेकर कुछ भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है।

मुद्दा

आखिर क्यों धधक रही है पृथ्वी?

योगेश कुमार गोयल

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं।

दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं।

प्रकृति पिछले कुछ वर्षों से बार बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत दे रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि बड़ी बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती

रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी।

करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

राजनीति

बीजेपी का गणित अगर काम कर गया तो डीएमके के लिए मुश्किल हो जायेगी

नीरज कुमार दुबे

द्रमुक नेता ए. राजा सनातन धर्म के खिलाफ लगातार विवादित बयान देकर सुर्खियां बटोरते रहे हैं। इसलिए जब हमारी चुनाव यात्रा तमिलनाडु के दौरे पर पहुँची तो हमने समय निकाल कर नीलगिरी संसदीय क्षेत्र का दौरा कर यह जानने का प्रयास किया कि वहां पर राजा के सनातन धर्म विरोधी बयानों का कितना असर है।

हम आपको बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा आठवीं बार चुनाव लड़ रहे हैं और उनका मुकाबला भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन से है। प्राकृतिक खूबसूरती से भरपूर इस क्षेत्र में 19 अप्रैल को मतदान संपन्न हुआ। यह निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। इस बार राजा, मुरुगन और एआईएडीएमके के लोकेश तमिलसेल्वन और नाम तमिलर काची के ए. जयकुमार के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला देखने को मिला।

हम आपको बता दें कि ए. राजा यहां से 2014 में लोकसभा चुनाव हार गये थे। उस समय उनके खिलाफ 2जी घोटाले का मामला बेहद गरम था। हालांकि राजा ने 2019 में इस सीट पर फिर से जीत हासिल करते हुए अन्नाद्रमुक के उम्मीदवार एम त्यागराजन को 2,00,000 के अधिक मतों के अंतर से हरा दिया था। इस निर्वाचन क्षेत्र की खास बात यह है कि यहां 25 लाख श्रीलंकाई प्रवासी भी हैं, जिन्हें भारतीय मूल के पहाड़ी तमिल कहा जाता है। चुनावों में जीत के लिए इस वर्ग का समर्थन बहुत जरूरी है। नीलगिरी में जब हमने लोगों से बातचीत की तो सबसे बड़ी समस्या मानव और पशुओं के बीच होने वाले संघर्ष के रूप में दिखी। यहां हाथियों के आवागमन से कई तरह की समस्याएं होती हैं। सरकार का दावा है कि रेडियो कॉलर तकनीक से हाथियों

पर लगातार निगरानी रखी जाती है लेकिन लोगों ने बताया कि हाथी कई बार उत्पात भी मचाते हैं। इसके अलावा हाथी गलियारे के किनारे अतिक्रमण और अवैध रिसॉर्ट्स होने की बात भी सामने आई। नीलगिरी में हमें बुनियादी ढांचा भी खराब स्थिति में नजर आया। मानव और पशु अपशिष्ट के चलते जल प्रदूषण भी यहां की समस्या है। लोगों ने सीवेज की स्थिति भी सही नहीं होने की जानकारी दी।

नीलगिरी में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि इसके अंतर्गत आने वाले ऊटी और कुन्नूर में बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। इसके चलते यहां कम बजट वाले होटलों की बाढ़ आ गयी है। होटलों और पर्यटकों की ओर से छोड़े जाने वाले ठोस कचरे के चलते पर्यावरण संबंधी चिंताएं बढ़ रही हैं। स्थानीय लोग इस बात से खुश नहीं दिखे कि पर्यटक आकर उनके शहर को गंदा कर रहे हैं। उनका कहना था कि ना तो सरकार सफाई की ओर ध्यान दे रही है ना ही पर्यटक साफ सफाई का ध्यान रखते हैं।

यहां व्यापारियों से बात करने पर उन्होंने बताया कि जीएसटी सबसे बड़ा मुद्दा है। कांग्रेस सभी वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी की एक दर लागू करने और द्रमुक जीएसटी को पूरी तरह से समाप्त करने का वादा कर भाजपा पर बढ़त बनाती दिखी। वहीं युवाओं ने नौकरियों की कमी पर चिंता जताई। इस सीट पर हमें द्रमुक को बढ़त दिखी और यह भी महसूस हुआ कि भाजपा यहां अपना वोट प्रतिशत बढ़ाने में कामयाब होगी क्योंकि उसने चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ा है। भाजपा यहां जितनी मजबूत होगी उतना ही अन्य क्षेत्रीय दल कमजोर होंगे। सनातन धर्म विरोधी बयानों के चलते ए. राजा से कई लोग नाराज दिखे। साथ ही 2जी विवाद भी राजा का पीछा नहीं छोड़ रहा है। भाजपा उम्मीदवार मुरुगन तो प्रचार के दौरान इस चुनाव को 2जी और मोदीजी के बीच लड़ाई बताते रहे। अन्नाद्रमुक भी राजा पर निशाना साधती रही। पार्टी के महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने दावा किया है कि राजा जल्द ही जेल में हो सकते हैं। भाजपा के मास्टर मथन इस सीट पर 1998 और 1999 के लोकसभा चुनावों में जीत हासिल कर चुके हैं। हालांकि वह जीत एक बार द्रमुक और एक बार अन्नाद्रमुक के साथ भाजपा के गठबंधन होने के चलते मिली थी। इस बार भाजपा ने जिस मजबूती के साथ चुनाव लड़ा है उससे यही प्रतीत हुआ कि यदि वह नहीं जीत पाई तो भी अन्नाद्रमुक को धकेल कर दूसरा स्थान हासिल कर सकती है।

मुरुगन ने हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में लगातार एक मजबूत समर्थन नेटवर्क तैयार किया है और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर जोर देते हुए सक्रिय रूप से अभियान चलाया। वह हिंदू विरोधी बयानबाजी के लिए राजा के मुखर आलोचक रहे हैं और उन्होंने पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने का वादा किया है। भाजपा की नजर यहां के बडागास समुदाय पर थी जोकि यहां की आबादी का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है। इसके अलावा भाजपा ने यहां वन क्षेत्र के किनारे रहने वाले 7,000 परिवारों के वोटों को भी आकर्षित किया। आप जान कर हैरान रह जाएंगे कि इन परिवारों के पास बिजली नहीं है।

अपनी बात

चुनाव में प्रकृति पर भी रहे ध्यान

अनिल प्रकाश

इस समय देश में चुनाव का माहौल है। हर जगह अगर कोई सबसे महत्वपूर्ण खबर है, तो वह राजनीति को लेकर है या फिर माननीयों के शब्द-वाणों पर है। विकास को लेकर बड़े-बड़े दावे और वादे किये जा रहे हैं। यही मुद्दे मतदाताओं को लुभाते भी हैं। दुर्भाग्य यह है कि इन तमाम चर्चाओं में कहीं पर भी लेशमात्र प्रकृति और पर्यावरण का जिक्र नहीं होता। हवा, मिट्टी, जंगल, पानी आदि को लेकर कोई बात नहीं होती।

लोकसभा ही नहीं, विधानसभा से लेकर पंचायत तक के चुनाव में भी ये मसले गायब रहते हैं। जब देश स्वतंत्र हुआ था, तब शायद पर्यावरण इतना महत्वपूर्ण हिस्सा नहीं था क्योंकि उस समय की प्राथमिकताएं आर्थिकी और विकास से जुड़ी थीं। तब अकाल, खेती में कम उत्पादन, बेरोजगारी जैसे मुद्दे प्रमुख थे। पर आज, जब अपना देश ही नहीं, बल्कि सारा विश्व तेजी से बदल रहा हो और उसका कारण मात्र बदलती पारिस्थितिकीय परिस्थितियां हों, तो फिर इनका गायब रहना नेताओं के विवेक पर सवाल खड़े करता है। प्रकृति और पारिस्थितिकी को इस तरह अनदेखा करना निराशाजनक है। देश की पर्यावरण रपट कतई अच्छी नहीं मानी जा सकती। आज बेंगलुरु और अन्य कई स्थान जल-विहीन होने की कगार पर हैं। बेंगलुरु को भारत का केपटाउन कहा जा रहा है। दक्षिणी अफ्रीकी शहर केपटाउन में आज पानी की राशनिंग हो चुकी है। कर्नाटक में जल भंडारण घटकर 36 प्रतिशत बचा है। इसका मतलब यह है कि यह गर्मी कर्नाटक के लिए भारी पड़ने वाली है। तेलंगाना से भी खबरें आ चुकी हैं कि वहां के सारे जलाशयों में पानी तेजी से घटता जा रहा है। गर्मी ने प्रचंड रूप लेना शुरू कर दिया है, जिससे जहां एक तरफ जल आवश्यकता बढ़ेगी, वहीं दूसरी तरफ जल भंडारों में पानी की कमी आयेगी। महाराष्ट्र में भी ऐसी ही स्थिति है। अब ऐसे में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि, जहां ऐसा सर्वेक्षण नहीं हुआ है, स्वाभाविक है कि वे भी इसी और इशारा करेंगे। हिमालय की खबर है कि वहां बढ़ती गर्मी के कारण हिमखंड झीलों में परिवर्तित हो रहे हैं। इसके दो दुष्परिणाम सामने होंगे-झील आपदाओं का कारण बनेगी और नदियों में पानी की कमी होगी। अब देश की हवा के बारे में बात करें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में भारत के 80 शहर वायु प्रदूषण में अग्रणी हैं। जब देश की राजधानी ही दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी हो, तो फिर अन्य शहरों की स्थिति का अनुमान लगाया जा सकता है। वह हवा, जिससे हम हर क्षण सांस लेते हैं प्रदूषित होती चली जा रही हो और यह हमारा राष्ट्रीय विषय, खास तौर से राजनीतिक दलों की चिंता का हिस्सा न हो, तो फिर चुनाव में जीवन बचाने के कौन सी पहल राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में झलकती हैं? यह सवाल उठाया जाना चाहिए। अब देखिए, हवा, पानी और मिट्टी, जो जीवनदायी संसाधन हैं, उनको जोड़ने वाले वनों की हालत भी खराब है। बिहार में सात से आठ प्रतिशत वन बचा है, पश्चिम बंगाल में यह आंकड़ा 13-14 प्रतिशत है, जबकि यह 33 प्रतिशत होनी चाहिए। घोषणापत्रों में इनका कोई भी जिक्र नहीं दिखता। आखिर ऐसा क्यों होता है कि हमारे राजनीतिक दल इस तरह के मुद्दों के प्रति असंवेदनशील होते हैं।

चिंतन

वोट प्रतिशत नीचे गिरने का दंश

आचार्य विष्णु हरि सरस्वती

वोट प्रतिशत नीचे क्यों गिरा? क्या लोकतंत्र के प्रति लोगों में दिलचस्पी घट रही है? क्या यह राजनीतिक पार्टियों के लिए कोई खतरे की घंटी हैं? वोट प्रतिशत बढ़ाने के सभी प्रचार और लुभावनें नारे क्यों फैल गये। बड़े-बड़े शहरों में भी वोट प्रतिशत क्यों नहीं बढ़ पाये? बड़े-बड़े शहरों में तो पढ़े लिखे लोग रहते हैं और जिन्हें सजग और लोकतंत्र की समृद्धि के प्रतीक समझा जाता है।

गांवों और छोटे कस्बों में भी वोट प्रतिशत बढ़ा क्यों नहीं? क्या चुनाव आयोग की पाबंदियों के कारण भी कम मतदान दर्ज हुए हैं? चुनाव आयोग की कई प्रकार की पाबंदियों पर अब विचार करने की जरूरत है, जैसे वाहनों का बेरोक-टोक आवाजाही होटलों और अन्य जगहों पर ठहरने वाले लोगों पर टूटने वाले पुलिसिया कहर भी कम मतदान के कारण है? क्या कम मतदान होना नरेन्द्र मोदी के लिए खतरे की घंटी है, क्या नरेन्द्र मोदी का चार सौ पार का सपना टूटने वाला है? क्या विपक्ष कम मतदान पर खुश होने का दावा कर सकता है? क्या लालू-मुलायम राजनीतिक धारा भी कम मतदान के दायरे में अपनी किस्मत चमकने की उम्मीद रख सकती हैं? मुस्लिम समुदाय की आक्रमक मतदान से क्या मजहबी जातिवादी और क्षेत्रीय जमातों की किस्मत जाग सकती है? मुस्लिम बहुलतावादी क्षेत्रों में मत प्रतिशत ज्यादा होने से नरेन्द्र मोदी की किस्मत बंद होने के शोर में कितनी सच्चाई है? मुस्लिम समुदाय की तुलना में हिन्दुत्व आधारित मतदान की आक्रमकता कहां दम तोड़ी? क्या मोदी युग में राम लहर को इतिश्री मान लिया

जाना चाहिए? क्या राम लहर अंदर ही अंदर अपना प्रभाव डाल रहा है? क्या अगले चरणों में मतदान का प्रतिशत बढ़ सकता है? निश्चित तौर पर वोट प्रतिशत का गिरना बहुत ही खतरनाक है और यह लोकतंत्र के लिए बहुत ही खतरनाक संकेत है। हमारा लोकतंत्र बहुत ही जीवंत है और प्रगतिशील भी है, इसकी आंच किसी भी कीमत पर धीमी नहीं होनी चाहिए।

नरेन्द्र मोदी की छबि करिश्माई है। 2014 में उनके पक्ष में लहर थी, जोश था और आक्रमता भी थी। फिर भी उन्हें प्रधानमंत्री बनने और भाजपा के सत्ता में आने की उम्मीद लोग नहीं देख रहे थे। नरेन्द्र मोदी पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आये। 2014 की तुलना में 2019 में उनकी लहर की आंच थोड़ी धीमी थी। फिर भी 2014 की तुलना में और अधिक बहुमत के साथ वापसी की थी, तीन सौ का आंकड़ा भी पार किया था। 2024 में भी नरेन्द्र मोदी फिर एक बार करिश्मा कर सकते हैं। एक तर्क यह भी है कि विपक्ष बहुत ही कमजोर है, इसी कारण नरेन्द्र मोदी का हिन्दुत्व लहर आक्रमता के साथ नहीं बह रहा है। लेकिन नरेन्द्र मोदी कम मतदान के बीच में भी एक बार फिर करिश्मा कर सकते हैं और लगातार तीसरी बार सत्ता में आ सकते हैं। यह तर्क तब तक प्रभावशाली रहेगा जब तक चुनाव परिणाम नहीं आ जाते हैं। प्रथम चरण के मतदान के दौरान सिर्फ दो ही प्रदेश हैं जहां पर संतोषजनक मतदान हुए हैं। पहला त्रिपुरा है और दूसरा पश्चिम बंगाल है। दोनों राज्यों में कभी कम्युनिस्टों की सरकार हुआ करती थी और कम्युनिस्ट दावे करते थे कि उनके राज्यों में जन जागरूकता की पाठशाला हमेशा चलती रहती है और उनके वोटर बहुत ही गंभीर हैं, जनसंघर्ष चलता रहता है। लेकिन इन दोनों राज्यों से कम्युनिस्टों का संहार हो चुका है उनकी कब्र खुद गयी, इन दोनों राज्यों में कम्युनिस्ट विरोधी राजनीतिक धारा का उदय हुआ और हवा बह गयी। त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है जबकि पश्चिम बंगाल में कम्युनिस्ट विरोधी ममता बनर्जी की सरकार है। राजनीति प्रेरक्षक यह मानते हैं कि त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में मतदान प्रतिशत के बढ़ने से कम्युनिस्टों या फिर कांग्रेस को कोई लाभ नहीं होने वाला है। त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी की स्थिति बहुत ही अच्छी है, कम्युनिस्ट यहां पर बहुत ही कमजोर हैं। जहां पर पश्चिम बंगाल का प्रश्न है तो वहां पर बढ़े हुए मतदान से कम्युनिस्ट या कांग्रेस को खुश होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि पश्चिम बंगाल में मुकाबला ममता बनर्जी या फिर कम्युनिस्ट पार्टी या कांग्रेस के बीच नहीं है बल्कि मुकाबला ममता बनर्जी और भाजपा के बीच है।

पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में मतदान प्रतिशत ठीकठाक रहने का अर्थ क्या है और इसके पीछे कारण क्या है? सबसे बडी बात यह है कि इन दोनों प्रदेशों में चुनाव प्रचार और चुनावी संघर्ष बहुत ही जींवत है कांटेदार है और आक्रामक भी है। खासकर पश्चिम बंगाल की चुनावी स्थिति बहुत ही खतरनाक है। जहां पर मुकाबला कांटेदार रहता है वहां पर मतदान प्रतिशत का बढ़ना जरूरी हो जाता है। ऐसे भी पश्चिम बंगाल में अफवाहों का बाजार फैलता है विदेशी ताकते सक्रिय रहती हैं। क्या यह सही नहीं है कि पश्चिम बंगाल में रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमानों की घुसपैठ और संरक्षण का प्रश्न चुनाव के दौरान तेज हुआ है। ममता बनर्जी सरकार पर भाजपा का आरोप है कि उसने रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमानों को संरक्षण देकर बसाया है, इस कारण पश्चिम बंगाल में जनसंख्या अनुपात तेजी के साथ बदला है और पश्चिम बंगाल के कई जिले रोहिंग्या बांग्लादेशी मुसलमान बहुल हो गये हैं। इधर भाजपा ने सीएए कानून लागू कर एक सबल राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया है। इधर अन्य कानूनों का भी भाजपा का वायदा है। इसलिए पश्चिम बंगाल में मुस्लिम मतदाता डरे हुए हैं और आक्रमता के साथ मतदान कर रहे हैं। बांग्लादेशी और रोहिंग्या समर्थक मतदान का सीधा निशाना नरेन्द्र मोदी है, किसी न किसी प्रकार से भारत से नरेन्द्र मोदी की सरकार का संहार करना है। सर्वाधिक मतदान प्रतिशत बिहार में गिरा है। यह बहुत ही विरोधाभाषी विषय है। बिहार में अखबारों और पत्र-पत्रिकाओं की सर्वाधिक बिक्री होती है, सर्वाधिक अखबार और पत्र पत्रिकाएं बिहार में ही पढ़ी जाती हैं। बिहार के संबंध में एक कहावत बहुत ही प्रचलित है कि वहां पर बच्चा पैदा लेता है तो वह राजनीति शास्त्र का मास्टर बन कर पैदा लेता है। इस कहावत का अर्थ है कि बिहार के लोग राजनीति के क्षेत्र में बहुत ही तेज होते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश पिछड़ों की राजनीतिक पराकाष्ठा के प्रतीक हैं। बिहार में लालू प्रसाद यादव और उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव ने पिछडों की राजनीति की गोलबंदी की थी और इनका माई समीकरण बहुत ही प्रभावशाली रहा है।

कुछ-अलग

पहले चरण के मतदान को लेकर दौड़ रहे हैं अंदाजी घोड़े

नवनीत गुर्जर

18वीं लोकसभा के चुनाव में पहले चरण का मतदान कुछ फीका रहा। फीका इसलिए क्योंकि यह लगभग सभी जगह पिछली लोकसभा के मतदान प्रतिशत से दस प्रतिशत तक कम रहा। अलग-अलग राजनीतिक पार्टियाँ, नेता, कार्यकर्ता और आम आदमी भी इस कम मतदान प्रतिशत पर अपना अपना अंदाजा लगाए जा रहे हैं। कोई कह रहा है इस कम मतदान से भाजपा को नुकसान हो सकता है। कम मतदान का सबसे अहम तर्क यह माना जा रहा है कि पहली बार लोकसभा चुनाव का परिणाम लगभग तय माना जा रहा है। इसलिए लोगों में कोई उत्साह नहीं है और यही वजह है मतदान कम होने का।

कम वोटिंग परसेंटेज से भाजपा के गलियारों में चिंता जरूर नजर आ रही है। हालांकि, लगता नहीं है कि इसमें किसी पार्टी का बड़ा नुकसान या किसी का फायदा हो सकता है। वैसे भी अब वोट देने का ट्रेन्ड काफी बदल चुका है। पहले गांव के गांव किसी एक पार्टी को वोट डाल आते थे। पूरा परिवार किसी एक ही पार्टी को वोट दिया करता था।

अब ऐसा नहीं है। भाई-भाई और पति-पत्नी भी अलग-अलग राजनीतिक दलों को वोट देते हैं। यही वजह है कि पहले वोट परसेंटेज से चुनाव परिणाम का सटीक अंदाजा लगा लिया जाता था, लेकिन अब मत का बिखराव इतना ज़्यादा हो चुका है कि अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है।

हाँ, इतना जरूर कहा जा सकता है कि चुनाव या मतदान को लेकर लोगों में किसी तरह का उत्साह नहीं है। उत्साह नहीं है इसका मतलब यह है कि 2014 और 2019 की तरह कोई लहर इस बार नहीं है।

कुछ विशेषज्ञ और विश्लेषक यह जरूर कह रहे हैं कि कांग्रेस को बहुत ज़्यादा मेहनत करनी थी। सही दिशा में प्रयास करने थे। अगर ऐसा होता तो परिणाम जो भी होता लेकिन चुनाव मैदान में एक तरह का उत्साह जरूर आ जाता।

अफसोस कि कांग्रेस ने उतनी मेहनत नहीं की, जितनी वह कर सकती थी या उसे करनी चाहिए थे। आखिर लोकतंत्र का पर्व इस तरह फीका नहीं होना चाहिए। उत्साह की कमी ने पहले चरण के मतदान का एक रहस्य यह भी उजागर किया है कि इस बार युवाओं का मतदान प्रतिशत काफी कम रहा है।

वैसे युवाओं को प्रायः भाजपा और मोदी के पक्ष में माना जाता है। युवाओं के कम मतदान का मतलब यह तो है ही कि इस बार भाजपा जिन सीटों पर भी जीतेगी उन पर जीत का अंतर काफी कम रहने वाला है।

एनसीपी के घोषणापत्र में यशवंत राव चव्हाण को भारत रत्न देने की मांग

एजेंसी

महाराष्ट्र, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। एनसीपी ने लोकसभा चुनाव के लिए घोषणापत्र की घोषणा की। इस घोषणापत्र में कहा गया है कि महाराष्ट्र के पहले मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण को भारत रत्न दिलाने की कोशिश की जाएगी। एनसीपी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने घोषणापत्र की घोषणा की। इस मौके पर नेता सुनील तटकरे, प्रफुल्ल पटेल भी मौजूद थे।

अजित पवार ने कहा कि हमने यह घोषणापत्र देश के लिए एनसीपी के विचार पर तैयार किया है। बहुत अच्छा घोषणापत्र तैयार करने के लिए दिलीप वलसे पाटिल और उनके सहयोगियों को धन्यवाद। यशवंतराव मराठी को क्लासिक भाषा का दर्जा दिलाने, चम्बांस को भारतीयता दिलाने का प्रयास करेंगे। अजित पवार ने विपक्ष के इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष में ऐसा कोई नहीं है जो मोदी के सामने खड़ा हो सके। अजित पवार ने पहले चरण में वोटिंग की घटती दर पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि पहले चरण में मतदान कम रहा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र में राज्य के पहले मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की गई है और हमने यह रुख अपनाया है कि हम एक पार्टी के रूप में इसके लिए काम करेंगे।

इसके अलावा हम केंद्र सरकार की विदेश नीति को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मजबूत समर्थन की गारंटी दे रहे हैं। एनसीपी का रुख है कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। साथ ही, प्रधानमंत्री ग्रामसड़क योजना की तर्ज पर प्रधानमंत्री शेत-शिवार-पाणंद रोड की नई योजना के लिए भी एनसीपी अहम भूमिका निभाएगी।

जानलेवा हमले में घायल छात्रा के इलाज का खर्च उठाएगी सरकार: सीएम सुक्खू

एजेंसी

शिमला, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। हिमाचल प्रदेश के पालमपुर के नए बस अड्डे पर कॉलेज छात्रा पर दराट के हमला करने की घटना पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने दुख जताया है। एक दिन के प्रवास के बाद मुख्यमंत्री सोमवार को धर्मशाला से रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार घायल छात्रा के इलाज का खर्च उठाएगी। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री जानलेवा हमले की शिकार छात्रा के घर जाकर परिजनों से मुलाकात कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सबूत और तथ्य हमारे पास हैं। तभी विधायकों की खरीद-फरोख्त होने की बात कर रहे हैं। जांच पूरी होने पर भाजपा के धनबल का सारा खेल जनता के सामने आ जाएगा। पालमपुर के नए बस अड्डे पर सुमित कुमार निवासी नगरोटा बगवां ने छात्रा पर दराट से कई वार किए थे। गंभीर रूप से घायल छात्रा का पीजीआई में उपचार चल रहा है। पुलिस ने आरोपी शनिवार को ही पकड़ लिया था, बावजूद इसके लोगों का गुस्सा कम नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि आरोपी को फांसी दी जाए। गुस्साए लोगों को देख थाने का दरवाजा बंद कर दिया गया और बाहर स्पेशल कमांडो तैनात कर दिए। घटना के बाद लोग गुस्से में हैं। छात्रा के गांववासियों ने रविवार को पालमपुर थाने के बाहर प्रदर्शन कर पुलिस प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

रेवंत रेड्डी ने मोदी पर तेलंगाना का अपमान करने का आरोप लगाया

एजेंसी

हैदराबाद, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर संसद में राज्य के गठन पर की टिप्पणियों से तेलंगाना का अपमान करने का आरोप लगाया।

रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि मोदी ने टिप्पणी की थी कि जब तेलंगाना के गठन का विधेयक पारित हुआ तब कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की तत्कालीन सरकार ने संसद के दरवाजे बंद कर दिए थे और ''बच्चे (तेलंगाना)'' को जन्म देने के लिए ''मां (आंध्र प्रदेश)'' की ''हत्या'' कर दी थी। उन्होंने कांग्रेस के भुवनगिरी से उम्मीदवार चमाला किरन कुमार रेड्डी के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए पूछा कि क्या मोदी को तेलंगाना में वोट मांगने का अधिकार है जबकि वह राज्य का अपमान कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन कानून में तेलंगाना से किए वादे पूरे नहीं किए जिसमें एक इस्पात संयंत्र और रेलवे कोच फैक्टरी लगाना भी शामिल हैं। रेड्डी ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार के तहत संस्थानों के दुरुपयोग के कारण देश में ''लोकतांत्रिक प्रणालियां ध्वस्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) को संविधान की रक्षा करने के लिए चुनाव जीतना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस तेलंगाना में वाम दलों के समर्थन के साथ चुनाव लड़ रही है। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क उनके कार्यालयों में जा रहे हैं और बातचीत कर रहे हैं। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख के. चंद्रशेखर राव पर वाम दलों के साथ सम्मानपूर्वक बर्ताव न करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने विचारों में भिन्नता के बावजूद कभी उनका अपमान नहीं किया।

बीआरएस पर निशाना साधते हुए रेड्डी ने दावा किया कि अगर राव की पार्टी लोकसभा चुनावों में एक भी सीट जीतती है तो वह उसे भी ''मोदी के पास गिरवी'' रख देंगे। रेड्डी कांग्रेस की तेलंगाना इकाई के प्रमुख भी हैं।

राखी सावंत पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत हमेशा किसी न किसी वजह से चर्चा में रहती हैं। फिलहाल राखी सावंत अपनी पर्सनल लाइफ के कारण सुर्खियों में हैं। राखी सावंत को उनके पूर्व पति आदिल दुर्रानी का अश्लील वीडियो लीक होने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें चार हफ्ते के अंदर सरेंडर करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट में जमानत के लिए याचिका दायर की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। आदिल दुर्रानी ने अपने अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर लीक करने के आरोप में अंबोली पुलिस स्टेशन में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा के तहत मामला दर्ज कराया था। आदिल खान दुर्रानी द्वारा एक्ट्रेस के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के बाद से वह दुबई में रह रही थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस एफआईआर के बाद राखी गिरफ्तारी से बचने के लिए दुबई भाग गई।

राखी के पूर्व पति आदिल दुर्रानी के अश्लील वीडियो लीक होने के मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद राखी ने बॉम्बे हाई कोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दी थी। लेकिन बॉम्बे हाई कोर्ट ने राखी की गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका खारिज कर दी। आदिल की शिकायत के बाद अभिनेत्री पर आईपीसी की धारा 500 और अपराध करने के इरादे से अश्लील वीडियो प्रकाशित करने के लिए धारा 34 के तहत मानहानि का आरोप लगाया गया था। फिर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

हाफले ने सचिन तेदुंलकर को ब्राण्ड एम्बेसडर के रूप में स्वागत किया

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। 100 साल से अधिक की अंतरराष्ट्रीय विरासत के साथ इंटीरियर सॉल्यूशंस सेगमेंट में एक ग्लोबल लीडर हाफले ने अपनी भारतीय सहायक कम्पनी के ब्राण्ड एम्बेसडर के रूप में क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के साथ साझेदारी की घोषणा की है। यह साझेदारी दो विरासतों के एक साथ आने का प्रतीक है, जो अपनी सटीकता, गुणवत्ता और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जानी जाती हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'क्रिकेट के भगवान' के रूप में सम्मानित और 20 वर्ष के कैरियर में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दुनिया भर में पहचाने जाने वाले, तेंदुलकर- उत्कृष्टता अखण्डता और पूर्णता के लिए निरंतर प्रयास का प्रतीक हैं और उनके यही मूल्य जो हाफले के साथ गहराई से मेल खाते हैं। एक ब्राण्ड एम्बेसडर के रूप में, सचिन ब्राण्ड के उद्देश्य को बढ़ाने, मैक्सिमाइजिंग द वैल्यू ऑफ स्पेस हाफले के साथ मिलकर सहयोग करेंगे। ग्राहकों को हाफले के अत्याधुनिक इंटीरियर समाधानों के साथ अपने स्थान का उच्चत्तम मूल्य के लिये प्रेरित करेंगे।

सचिन का स्वागत करते हुए हाफले दक्षिण एशिया के प्रबन्ध निदेशक फ्रैंक श्लोएडर ने कहा ''हमारा मानना है कि हमारे ब्राण्ड के लिए सचिन बिल्कुल उपयुक्त हैं, खासकर खाना पकाने और अपनी रसोई में व्यंजन तैयार करने के उनके जुनून को देखते हुए। हमारे समकालीन आंतरिक समाधानों को सबसे आगे लाने और उनकी कुशल कार्यक्षमता अत्याधुनिक तकनीक और प्रेणात्मक सौंदर्य को उजागर करने के लिए उनसे बेहतर कौन हो सकता है। उन्होने आगे कहा, इसके अलावा, उनकी दृश्ता और विस्तार पर ध्यान हमारे ब्राण्ड वेल्यू के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। सचिन के साथ हम प्रेरणा और नवीनता की इस यात्रा को शुरू करने के लिए उत्सुक हैं, जिससे लोगों के मैक्सिमाइजिंग द वैल्यू ऑफ स्पेस में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। क्रिकेट जगत के सितारे सचिन तेंदुलकर ने अपना उत्साह जाहिर करते हुए कहा, ''मैं हाफले के साथ साझेदारी करके बहुत खुश हूं। हमने यह यात्रा इसलिए शुरू की, क्योंकि हमें लगा कि हमारी टीमों के बीच बहुत बढ़िया तालमेल है। मुझे भोजन और खाना पकाने का शौक है, और एक अच्छी रसोई ही हर परिवार को स्वादिष्ट खुशियां प्रदान करती है। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए कहा युवा भारतीय अपने हर काम में सर्वश्रेष्ठ बनने की आकांक्षा रखते हैं, इसलिए वे ऐसे समाधान तलाशते हैं जो अग्रणी (अत्याधुनिक) हों। हाफले के डिज़ाइन सेंटर का दौरा करते समय मैंने इसे क्रियान्वित होते देखा। मैक्सिमाइजिंग द वैल्यू ऑफ स्पेस की अवधारणा मेरे लिए सबसे खास रही। मैं इस के लिए तत्पर हूं और एसआरटी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट और हाफले की टीमों को शुभकामनाएं देता हूं क्योंकि हम अपने संयुक्त उद्देश्यों पर मिलकर काम करना जारी रखेंगे।''

हाफले और सचिन तेंदुलकर के बीच साझेदारी एक असाधारण अध्याय की शुरुआत है। हम मिलकर अपने ग्राहकों को ऐसे घर बनाने के लिए प्रेरित करने के लिए तत्पर हैं जो न केवल उनके अद्वितीय व्यक्तित्व को दर्शाते हैं बल्कि उनके रोजमर्रा के जीवन को भी शानदार बनाते हैं।

गौरतलब है कि हाफले इण्डिया हाफले ग्लोबल नेटवर्क की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी है और यह वर्ष 2003 से भारत में काम कर रही है। कम्पनी की विविध भारतीय बाजार को समझने की क्षमता ने इसे वास्तुशिल्प हार्डवेयर, फर्नीचर और रसोई फिटिंग के क्षेत्र में एक प्रामाणिक निर्माता बना दिया है। कंपनी की इन उद्योगों की केंद्रित मांग को पूरा करने वाले होम एल्पाइंसेज, इटीरियर लाइटिंग, वॉटर सॉल्यूशन्स और जैसी समन्वित उत्पाद श्रेणियों में भी मजबूत उपस्थिति है। सहायक कम्पनी की मुम्बई, पुणे अहमदाबाद, बंगलूरू, चेन्नई हैदराबाद, कोचीन, दिल्ली, चण्डीगढ़ जयपुर और कोलकाता में कार्यालयों के साथ एक मजबूत राष्ट्रव्यापी उपस्थिति है। इसका श्रीलंका और बांग्लादेश में पूर्ण पैमाने पर परिचालन है और दोनों देशों में इसके क्षेत्रीय कार्यालय और डिजाइन शोरूम हैं; और इसने नेपाल, भूटान और मालदीव सहित दक्षिण एशिया के अन्य क्षेत्रों में भी अपना परिचालन फैलाया है। हाफले के डिजाइन शोरूम इंटरनेशनल होम इंटीरियर रुझानों और विश्व स्तरीय वातावरण में प्रस्तुत अत्याधुनिक डिजाइनों के केन्द्र हैं जहां ग्राहक अपने एप्लीकेशन्स में होम सॉल्यूशन्स देख सकते हैं। ये शोरूम सभी होम इंटीरियर और अपनी जरूरत के मुताबिक आवश्यकताओं के लिए वन-स्टॉप-शॉप के रूप में कार्य करते हैं, इन शोरूम में तैनात विशेषज्ञों की एक टीम के माध्यम से रसोई और अलमारी डिजाइनिंग सेवाओं के लिए गहन तकनीकी सलाह प्रदान की जाती है। हाफले इण्डिया अपने ग्राहकों को 1500 कर्मचारियों के आधार, 180 से अधिक दुकानों के एक अच्छे नेटवर्क वाले फ्रैंचाइज बेस के साथ ही 500 से अधिक डायरेक्ट डीलर्स और 90 से अधिक डिस्ट्रीब्यूटर्स के साथ सेवा प्रदान करता है।

खेल

डी गुकेश कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। भारत के 17 साल के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया। वे वर्ल्ड खिताब के लिए सबसे कम उम्र में चुनौती देने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अब वर्ल्ड चैंपियन खिताब के लिए उनकी भिड़ंत चीन के डिंग लिरेन से होगी।

गुकेश से पहले 1984 में रूसी खिलाड़ी गैरी कास्परोव ने सबसे कम उम्र 22 साल में यह टूर्नामेंट जीता था। अब गुकेश वर्ल्ड चैंपियन खिताब के लिए इस साल के आखिर में चीन के डिंग लिरेन से भिड़ेंगे। हालांकि यह मुकाबला कब होगा और कहां खेला जाएगा, इसकी घोषणा नहीं की गई है।

गुकेश ने टूर्नामेंट में 14 में से 9 अंक हासिल कर खिताब पर कब्जा जमाया। उन्होंने टूर्नामेंट के अपने आखिरी मुकाबले में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा के खिलाफ ड्रा खेला। इससे उनके अंक 8.5 से बढ़ कर 9 हो गए। वहीं उन्होंने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराकर अपने पॉइंट 8.5 कर लिए थे। अलीरेजा को हराने के साथ ही गुकेश ने टूर्नामेंट में नेपोमनियाच्ची, नाकामुरा और अमेरिका के फैबियानो कारूआना से हाफ अंक की बढ़त ले ली थी। गुकेश ने जीत के बाद कहा, बहुत खुशी हो रही है। मैं उस रोमांचक खेल (फैबियो कारुआना और इयान नेपोमनिआचची के बीच) को देख रहा था, फिर मैं अपने सहयोगी (ग्रिगोरी गैजेव्स्की) के साथ टहलने गया, मुझे लगता है कि इससे मदद मिली। गुकेश ने पिछले साल चीन के हांग्जो एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीता था। 2015 में गुकेश एशियाई स्कूल शतरंज चैंपियनशिप में अंडर-9 का खिताब जीतने के साथ कैंडिडेट मास्टर बने थे। गुकेश ने अब तक 5 गोल्ड एशियाई यूथ चैंपियनशिप जीती हैं। 2019 में वे भारत के सबसे युवा और वर्ल्ड के दूसरे सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने थे।

गुकेश की इस उपलब्धि पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। प्रधानमंत्री के ऑफिसियल पोस्ट पर लिखा- गुकेश की टोरंटो में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में जीत उनकी प्रतिभा और समर्पण को दिखाती है। उनका यह प्रदर्शन लाखों लोगों को प्रेरित करता है।

गुकेश को यह टूर्नामेंट जीतने पर 88,500 यूरो (लगभग 78.5 लाख रुपए) का नकद पुरस्कार भी मिला। कैंडिडेट्स की कुल पुरस्कार राशि 5,00,000 यूरो थी। विश्वनाथन आनंद ने ट्विटर पर युवा खिलाड़ी को बधाई देते हुए लिखा, सबसे युवा चैलेंजर बनने के लिए डी गुकेश को बधाई। आपने जो हासिल किया है उस पर बहुत गर्व है। मुझे निजी तौर पर बहुत गर्व है कि आपने कैसे खेला और कठिन परिस्थितियों को संभाला। इस पल का आनंद लें।

गुकेश डी का पूरा नाम डोमाराजू गुकेश है और वे चेन्नई के रहने वाले हैं। गुकेश का जन्म चेन्नई में 7 मई 2006 को हुआ था। उन्होंने 7 साल की उम्र में ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उन्हें शुरू में भास्कर नागैया ने कोचिंग दी थी। नागैया इंटरनेशनल स्तर के चेस खिलाड़ी रहे हैं और चेन्नई में चेस के होम ट्यूटर हैं। इसके बाद विश्वनाथन आनंद ने गुकेश को खेल की जानकारी देने के साथ कोचिंग दी। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं और मां पेशे से माइक्रोबायोलोजिस्ट हैं।

विराट कोहली के आउट पर क्यों मचा है हंगामा

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। आईपीएल के 17वें सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का खराब प्रदर्शन जारी है। ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में आरसीबी की ये लगातार छठी हार रही और वह अंकतालिका में आखिरी पायदान पर बरकरार है। इस मुकाबले में विराट कोहली को काफी विवादस्पद तरीके से आउट दिया गया। तीसरे ओवर में हर्षित राणा ने पहली गेंद हाई फुलटॉस फेंकी जिसपर कोहली ने बल्ला चलाया। शॉट की टाइमिंग बिल्कुल सही नहीं थी और गेंद हर्षित के हाथों में चली गई। कोहली का मानना था कि गेंद कमर के ऊपर आई, ऐसे में उन्होंने डीआरएस लिया। तीसरे अंपायर ने हॉक-आई की मदद से पाया कि कोहली भले ही क्रीज से आगे थे, लेकिन गेंद डीप हो रही थी जिसके बाद उन्हें आउट दिया गया। कोहली पवेलियन लौटते समय अंपायर से भी भिड़ गए। देखा जाए तो तीसरे अंपायर ने विराट कोहली को लेकर जो फैसला दिया वो नियमानुसार सही था। मेरीलबोन क्रिकेट क्लब के नियम 41.7.1 के अनुसार, कोई भी डाली गई बॉल, जो बगैर जमीन के टप्पा खाए क्रीज में सीधे खड़े बल्लेबाज की कमर की ऊंचाई से निकलती है, तो इसे अवैध करार दिया जाता है। ऐसे में अंपायर इसे नो-बॉल करार देता है। लेकिन कोहली के आउट होने के मामले में वह अपनी क्रीज के बाहर खड़े थे और पॉपिंग क्रीज पर पहुंचने समय गेंद कमर के नीचे डीप होती।

तीसरे अंपायर ने निर्णय लेने के लिए हॉक-आई तकनीक का इस्तेमाल किया था। जिस समय कोहली गेंद के इम्पैक्ट में आए उस समय वह क्रीज के बाहर खड़े थे। अगर कोहली पॉपिंग क्रीज में सामान्य स्थिति में खड़े होते तो उनकी कमर की ऊंचाई 1.04 मीटर होती। हालांकि, जब उन्होंने इसे अपनी क्रीज के बाहर खेला, तब गेंद उनकी कमर के ऊपर थी।

कोहली को टी-20 वर्ल्डकप में ओपनिंग करनी चाहिए: गांगुली

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली का मानना है कि जून में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में विराट कोहली को रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करना चाहिए। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के डायरेक्टर गांगुली ने सोमवार को एक मीडिया इवेंट में कहा, इस साल के टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा को ओपनिंग करनी चाहिए, विराट 40 गेंदों में 100 रन बना सकते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। वहीं 1 मई तक इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपनी हैं। हाल ही में मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि रोहित शर्मा और विराट कोहली टी-20 वर्ल्ड कप में ओपनिंग करेंगे। लेकिन, खबर के कुछ दिन बाद ही रोहित ने इस खबर का खंडन किया था। कोहली ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत 2008 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे में बतौर ओपनर बैटर की थी। कुछ समय बाद वे नंबर 3 स्लॉट पर चले गए। कोहली का टी-20 इंटरनेशनल में बतौर ओपनर बैटर रिकॉर्ड काफी अच्छा है। पूर्व कप्तान ने 9 मैचों में 400 रन बनाए हैं।

लखनऊ से बदला चुकता करने उतरेगी चेन्नई सुपर किंग्स

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स अपने गढ़ चेपॉक स्टेडियम पर मंगलवार को लखनऊ सुपर किंग्स के खिलाफ उतरेगी तो उसका इरादा पिछली हार का बदला चुकता करने के साथ अंकतालिका में अपनी स्थिति बेहतर करने का भी होगा। पिछली बार दोनों टीमों का सामना पिछले सप्ताह लखनऊ में हुआ था। केएल राहुल और क्विंटोन डिकॉक ने पहले विकेट के लिये रिकॉर्ड साझेदारी की थी जिसके दम पर लखनऊ ने जीत दर्ज की। दोनों टीमों के सात मैचों में आठ अंक हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स का अभेद्य किला रहा है चेपॉक और अब उसे यहां लगातार तीन मैच खेलने हैं। दूसरे मैदान पर हारने के बाद अब उनकी नजरें अपने घर पर तीनों मैच जीतकर प्लेआफ का दावा पुख्ता करने पर लगी होंगी। चेन्नई के लिये कप्तान रूतुराज गायकवाड़ और शिवम दुबे ने अधिकांश रन बनाये हैं। लखनऊ के खिलाफ उनके नाकाम रहने से चेन्नई को अच्छी शुरूआत नहीं मिल सकी और बीच के ओवरों में टीम जूझती नजर आई। सलामी बल्लेबाज रचिन रविंद्र का फॉर्म चिंता का विषय है। चेन्नई ने अजिंक्य रहाणे को पारी का आगाज करने भेजा जिसकी वजह से गायकवाड़ तीसरे नंबर पर उतरे। सलामी बल्लेबाज के तौर पर तीन अर्धशतक जमाने के बाद गायकवाड़ के सामने यह दुविधा होगी कि वह तीसरे नंबर पर खेलें या फिर से पारी का आगाज करें। रविंद्र जडेजा भी अर्धशतक जड़ चुके हैं जिससे मोईन अली और महेंद्र सिंह धोनी को आखिरी ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी का मौका मिला। चेन्नई को उम्मीद होगी कि उसका शीर्षक्रम एक बार फिर रन बंटोरकर बड़े स्कोर की नींव रखेगा।

चेन्नई के गेंदबाजों में मथीषा पथिराना सर्वश्रेष्ठ रहे हैं लेकिन तेज गेंदबाजों दीपक चाहर, तुषार देशपांडे और मुस्ताफिजूर रहमान से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। बायें हाथ के स्पिनर जडेजा को गेंदबाजी में बेहतर करना होगा। लखनऊ के लिये बल्लेबाजी चिंता का सबब है लेकिन उन्होंने साबित कर दिया है कि शीर्षक्रम के चलने पर वे क्या कर सकते हैं। राहुल और डिकॉक फॉर्म में हैं और उन्हीं पर यहां सबसे ज्यादा रन बनाने की जिम्मेदारी होगी। निकोलस पूरन ने जरूरत पड़ने पर हमेशा रन बनाये हैं और लखनऊ की उम्मीदें उन पर भी टिकी होंगी। गेंदबाजी में लखनऊ को युवा तेज गेंदबाजी सनसनी मयंक यादव की वापसी की उम्मीद होगी जो पेट के निचले हिस्से में खिंचाव के कारण दो मैचों में बाहर रहे।

तेज गेंदबाज मोहसिन खान और यश ठाकुर ने चेन्नई को कम स्कोर पर रोकने की कोशिश की लेकिन आखिरी ओवरों में धोनी के बल्ले से निकले आतिश को नहीं रोक सके। मैट हेनरी को लखनऊ के लिये पदार्पण पर विकेट नहीं मिल सके और वे खुद को साबित करना चाहते होंगे। स्पिन गेंदबाजी में कृणाल पंड्या के दो विकेट बीच के ओवरों में काफी अहम रहे। एक बार फिर उन पर और युवा रवि बिश्नोई पर बीच के ओवरों में चेन्नई पर दबाव बनाने का दारोमदार होगा।

केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन उल हक, क्रुणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव मोहसिन खान, के गौतम, शिवम मावी, अर्शिन कुलकर्णी, एम सिद्धार्थ एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, मोहम्मद अरशद खान।

महेंद्र सिंह धोनी, अरावेली अवनीश, डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा अजय जादव मंडल, डेरिल मिशेल रचिन रवींद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे मुकेश चौधरी, मुस्तफिजुर रहमान मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महेश तीक्षणा और समीर रिज्वी।

हिन्दी दैनिक
नवसत्ता

मनमोहन सिंह का 18 साल पुराना भाषण बना मोदी का चुनावी हथियार

एजेंसी

जयपुर, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। राजस्थान के बांसवाड़ा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी भाषण में मुसलमानों के संदर्भ पर विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी गुट इंडिया के नेताओं ने भाषण को वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास बताया है। भाषण में पीएम मोदी दिसंबर 2006 में सरकार की वित्तीय प्राथमिकताओं पर राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की एक टिप्पणी की ओर इशारा कर रहे थे। तब भी एक बड़ा विवाद छिड़ गया था, जिसके बाद तत्कालीन प्रधान मंत्री के कार्यालय ने एक स्पष्टीकरण जारी किया था, जिसे उन्होंने जानबूझकर और शरारती गलत व्याख्या कहा था। हालांकि, एक बार फिर से मनमोहन सिंह का बयान सियासी मुद्दा बन गया है। कांग्रेस पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि ये शहरी नक्सली मानसिकता, माताओं और बहनों, ये आपका मंगलसूत्र भी नहीं छोड़ेंगे। वे उस स्तर तक जा सकते हैं। कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया है कि वे माताओं और बहनों के साथ सोने का हिसाब करेंगे, उसके बारे में जानकारी लेंगे और फिर उस संपत्ति का वितरण करेंगे। किसको बांटेंगे - मनमोहन सिंह सरकार ने कहा था कि देश की संपत्ति पर पहला हक मुसलमानों का है। पहले जब उनकी (कांग्रेस) सरकार सत्ता में थी तो उन्होंने कहा था कि देश की संपत्ति पर पहला हक मुसलमानों का है। इसका मतलब यह है कि इसका वितरण उन लोगों में किया जाएगा जिनके अधिक बच्चे हैं। इसे घुसपैठियों को बांटा जाएगा। क्या आपकी मेहनत की कमाई घुसपैठियों के पास चली जानी चाहिए? क्या आप इसे स्वीकार करते हैं? कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने डॉ. सिंह पर पीएम मोदी के हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री अब मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान में निराशा हाथ लगने के बाद नरेंद्र मोदी के झूठ का स्तर इतना गिर गया है कि घबरा कर वह अब जनता को मुद्दों से भटकाना चाहते हैं। कांग्रेस के 'क्रांतिकारी मेनिफेस्टो' को मिल रहे अपार समर्थन के रुझान आने शुरू हो गए हैं। देश अब अपने मुद्दों पर वोट करेगा, अपने रोज़गार, अपने परिवार और अपने भविष्य के लिए वोट करेगा। भारत भटकेगा नहीं! समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने पीएम मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया जानती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झूठ बोलते हैं, जिस तरह से उन्होंने कांग्रेस के न्याय पत्र और पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के बारे में झूठ फैलाया, वह गंदी राजनीति का उदाहरण है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि पीएम मोदी ने आज फिर झूठ बोला। वे देश को हिंदू-मुसलमान के नाम पर झूठ परोसकर बांट रहे हैं। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि पीएम मोदी लोगों को झूठे और गैर-जरूरी मुद्दों में उलझा रहे हैं। लेकिन आज उन्होंने मंगलसूत्र' पर बयान देकर सारी सीमाएं लांघ दी हैं।

तब विवाद बढ़ने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री के कार्यालय ने एक स्पष्टीकरण जारी किया था। इसमें सिंह के बयान को बताया गया था। इसमें कहा गया था कि मेरा मानना है कि हमारी सामूहिक प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं- ग्रामीण बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश, और सामान्य बुनियादी ढांचे की आवश्यक सार्वजनिक निवेश आवश्यकताओं के साथ-साथ एससी/एसटी, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों और महिलाओं और बच्चों के उत्थान के लिए कार्यक्रम।

भाजपा की नीतियों से दलित,मुस्लिम विकास से रहे वंचित : मायावती

संवाददाता

बुलंदशहर, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जातिवादी, सांप्रदायिक एवं पूंजीवादी सोच और नीतियों के कारण देश के गरीब,आदिवासी,दलित और मुस्लिमों को विकास नहीं हो सका है। मायावती ने यहां सिकंदराबाद में गौतमबुद्धनगर क्षेत्र के पार्टी प्रत्याशी राजेन्द्र सोलंकी और बुलंदशहर लोकसभा सीट से गिरीश चंद्र जाटव के समर्थन में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुये कहा कि जेवर में निर्माणाधीन हवाई अड्डे की रुपरेखा भी उनकी सरकार की देन है जिसको भाजपा अपनी उपलब्धि के रूप में गिना रही है। उन्होने कहा कि भाजपा की जातिवादी सांप्रदायिक एवं पूंजीवादी सोच और नीतियों के कारण पूरे देश के गरीबों आदिवासियों दलित मुस्लिम अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों कभी विकास नहीं हो सका है। देश में दलित आदिवासियों एवं अन्य पिछड़े वर्गो का सरकारी नौकरियों में वर्षो से अधूरा पड़ा आरक्षण का कोटा भी अभी तक पूरा नहीं भरा गया है। विशेष कर एससी एसटी सरकारी कर्मचारियों का पदोन्नति में आरक्षण काफी हद तक प्रभावहीन है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की कृषि नीतियां सही न होने के कारण किसान भी आंदोलित है। गलत आर्थिक नीतियों से देश की अर्थव्यवस्था पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है छोटा व्यापारी वर्ग भी काफी परेशान है। देश की सीमाएं भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों से केंद्र में राज्यों में भाजपा की सरकारों में हिंदुत्व की आड़ में मुस्लिम समाज पर जुल्म जातियां अपने चरम पर है जिसके कारण मुस्लिम समाज की हालत हर स्तर पर खराब हो रही है। मायावती ने कहा कि भाजपा की नाटकबाजी जुमलेबाजी या कोई अन्य दलील काम में आने वाली नहीं है क्योंकि अब देश की जनता समझ चुकी है कि इनकी पार्टी ने कमजोर और मध्यम वर्ग को अच्छे दिन दिखाने के संग के प्रलोभन भरे वायदे? किए व अन्य हवाई कागज़ी गारंटी दी है उसका अभी तक जमीनी हकीकत में एक चौथाई हिस्सा भी पूरा नहीं किया।

अल्ताफ बुखारी ने बारामुला सीट पर सज्जाद लोन को दिया समर्थन

एजेंसी

जम्मू, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के चलते जम्मू कश्मीर में सियासी हलचल तेज है। हर दिन प्रदेश की राजनीति में नई-नई लहरें उठ रही हैं। इसी बीच अपनी पार्टी (एपी) और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (पीसी) बारामुला सीट पर एक साथ हो गए हैं। अपनी पार्टी के प्रमुख अल्ताफ बुखारी ने सोमवार को प्रेसवार्ता कर इसकी घोषणा की है।

बुखारी ने कहा कि उनकी पार्टी ने फैसला किया है कि कश्मीर घाटी की बारामुला सीट पर वह पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन को समर्थन करेंगे। बारामुला से कोई अन्य उम्मीदवार नहीं उतारा जाएगा। वहीं, सज्जाद लोन ने भी इस समर्थन के लिए अल्ताफ बुखारी का आभार जताया है। हालांकि, अपनी पार्टी ने श्रीनगर और अनंतनाग-राजोरी सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं। अपनी पार्टी ने अनंतनाग-राजोरी सीट से जफर इकबाल मन्हास और श्रीनगर सीट से मोहम्मद अशरफ मीर को मैदान में उतारा है। उधर, पीडीपी और नेकां ने भी कश्मीर की तीनों सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। गुलाम नबी आजाद की पार्टी डीपीएपी ने उधमपुर अनंतनाग और श्रीनगर सीट पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। वहीं, भाजपा ने कश्मीर में अभी तक किसी प्रत्याशी को नहीं उतारा है। भाजपा ने घाटी में राष्ट्रवादी पार्टियों को समर्थन करने का एलान किया है। अल्ताफ बुखारी ने कहा कि सज्जाद लोन एक नई सोच के साथ राजनीति में एक नए युग का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि पुराने राजनेताओं को इस नई दृष्टि को जड़ें जमाने के लिए राजनीति से संन्यास लेने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कश्मीर के लोगों ने तीन उम्मीदवारों को संसद में भेजा, लेकिन 370 हटाए जाने पर किसी ने भी संसद से इस्तीफा नहीं दिया।

चुनाव आते ही शुरू हो गया सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग: अनिल शास्त्री

एजेंसी

भोपाल, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के बेटे और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनिल शास्त्री ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने सोमवार को राजधानी भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि चुनाव आते ही भाजपा सरकार सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग शुरू कर देती है।

अनिल शास्त्री ने कहा कि सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा विपक्ष के नेताओं को परेशान करवाया जा रहा है। पिछले कई वर्षो से यह हो रहा है। उन्होंने कहा कि चारों तरफ ऐसा लगने लगा है कि जो भाजपा के साथ हैं वह स्वच्छ है। जो विरोध में है वो भ्रष्ट है। कांग्रेस प्रत्याशी को एक प्रत्याशी के खिलाफ नहीं चार-चार कैंडिडेट से लड़ना पड़ता है। एक भाजपा का कैंडिडेट, दूसरा ईडी, तीसरा सीबीआई और चौथा इनकम टैक्स डिपार्टमेंट। इस तरह की लड़ाई बराबर की लड़ाई नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की परिभाषा यह है कि जब चुनाव होता है तो बिल्कुल फ्री और फेयर होना चाहिए। चुनाव आयोग को हमने देखा किस तरह से कमिश्नर्स का अपॉइंटमेंट हुआ। एक इलेक्शन कमिश्नर जिनको इस्तीफा देने को कहा गया। उसके बाद उनके चहेते को कमिश्नर नियुक्त किया गया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के कैंडिडेट को हराया गया। महाराष्ट्र में सरकार गिराकर भाजपा ने अपनी सरकार बनाई। अजीत पवार, छगन भुजबल, जिनके खिलाफ केसेस चल रहे थे। भाजपा में शामिल होते ही सारे मामले वापस ले लिए गए। शास्त्री ने भतीजे के भाजपा में शामिल होने पर कहा- उन पर एजेंसियों का प्रेशर नहीं था। विभाकर को ईडी का कोई फोन नहीं आया, न ही सीबीआई और इनकम टैक्स का फोन आया। शायद उनको ऐसा लगा कि कांग्रेस में उनका भविष्य नहीं है। काफी दिनों से उत्तर प्रदेश में लगे हुए हैं। जो उन्होंने किया वह गलत किया मैं उनका समर्थन नहीं करता। अनिल शास्त्री ने इस बीच पीएम मोदी को चुनौती देते हुए कहा कि अगर वाकई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सीना 56 इंच का है तो वे चीन पर वार करें। अनिल शास्त्री ने कहा कि भाजपा ने बहुत खतरनाक परिपाटी शुरू कर दी है। देश के लोकतंत्र को इससे खतरा है।

शास्त्री ने आगे कहा कि कांग्रेस की गारंटी आपके सामने है। राहुल गांधी की गारंटी चुनावी जुमले नहीं है। मोदी की गारंटी चुनावी जुमले हैं। अनिल ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड की चर्चा किसी ने नहीं की, सब इस पर शांत है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में भाजपा को वोट देने का मतलब दिक्कतों का सामना करना है। देश में आज महंगाई-बेरोजगारी बड़े मुद्दे हैं, लेकिन इन पर कोई बात नहीं करना चाहता। अनिल शास्त्री ने आगे कहा कि मोदी सरकार आने के बाद भारत के नेपाल, श्रीलंका सहित पड़ोसी मुल्क से रिश्ते खराब हुए हैं। भाजपा को इंदिरा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री से विदेश नीति सीखना चाहिए। चीन हमारी धरती पर कब्जा कर रहा है। पीएम मोदी 56 इंच सीने की बात करते है उन्हें चीन पर प्रहार करना चाहिए।

बीजेपी ने लोक सभा चुनाव के घोषणा पत्र का उड़िया संस्करण जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओडिशा इकाई ने सोमवार को लोकसभा चुनाव के लिए तैयार पार्टी घोषणापत्र के उड़िया संस्करण को यहां जारी किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता और ओडिशा के पार्टी प्रभारी विजयपाल सिंह तोमर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनमोहन सामल, पूर्व केंद्रीय मंत्री जुएल ओरम और पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समीर मोहंती पार्टी घोषणा पत्र का उड़िया संस्करण जारी करने के मौके पर मौजूद थे।

तोमर ने कहा कि केंद्र की मुफ्त राशन योजना को अगले पांच साल तक बढ़ाया जाएगा, तीन करोड़ 'लखपति दीदी' बनाई जाएंगी प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार किया जाएगा और हर घर तक पीने का पानी पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा, ''अगर भाजपा ओडिशा में सरकार बनाती है, तो हम केंद्रीय घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को राज्य में लागू करेंगे। वर्तमान सरकार ने ओडिशा में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं की है, जिसके कारण प्रवासी श्रमिकों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। सामल ने दावा किया कि मोदी सरकार पूरी तरह से महिलाओं, युवाओं और किसानों के लिए समर्पित है। मोदी सरकार ने 2014 और 2019 में चुनावी घोषणापत्र में किए गए सभी वादे पूरे किए हैं। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा घोषणापत्र के उड़िया संस्करण के साथ हर घर तक पहुंचेगी।

बीजेपी मुझसे कहेगी तो दरी भी बिछाऊंगा: शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

भोपाल, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने टीवी 9 नेटवर्क के खास कार्यक्रम सत्ता सम्मेलन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी जहां कहेगी वहीं पर काम करूंगा। पार्टी ने मुझे काफी कुछ दिया। मुझ जैसे साधारण कार्यकर्ता को पार्टी ने 4 बार राज्य का मुख्यमंत्री बनाया। संगठन के लगभग सभी पदों पर मैं रहा। उन्होंने कहा कि पार्टी अगर मुझसे कहेगी तो दरी भी बिछाऊंगा। बीजेपी के अंदर कोई ये न सोचे कि मेरे बिना काम नहीं चलेगा।

भोपाल में टीवी9 के मंच पर चुनाव प्रचार से जुड़े सवाल पर शिवराज ने कहा, पार्टी जो काम मुझसे कहती है वो करता हूं। लगभग सभी लोकसभा क्षेत्रों में मैं जा रहा हूं। मैं मध्य प्रदेश के बाहर भी जा रहा हूं। मैं मध्य प्रदेश के अलावा 19 राज्यों में चुनाव प्रचार करके आया हूं जो मुझे कहा गया। एक बात पक्की है बीजेपी में। कोई ये न सोचे कि मेरे बिना काम नहीं चलेगा, यहां किसी के बिना भी काम चलता है। ये अहम किसी को पालने की जरुरत नहीं है। जो काम मिले उसे करते चलो। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मैं जनता से मिलने का अवसर नहीं छोड़ता हूं। मैं अक्सर लोगों से मिलने की कोशिश करता रहता हूं। एमपी के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव की तारीफ करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सीएम मोहन यादव बहुत परिश्रम कर रहे हैं। उन्होंने अच्छी शुरुआत की है। प्रदेश को एक सक्षम नेतृत्व मिला है और वो बढ़िया काम कर रहे हैं।

देश में किसे जीत मिल रही है, इस पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा, इस समय पूरा देश ही मोदीमय हो गया है। हर कोई यही चाहता है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। मोदी के शानदार नेतृत्व की वजह से जनता तीसरी बार बीजेपी को जीत दिलाने जा रही है। बीजेपी इस बार भी भारी मतों से चुनाव जीतेगी। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी की वजह दुनिया में देश का मान लगातार बढ़ रहा है।

मध्य प्रदेश के लोग आपको मामा कहते हैं और अब दिल्ली के लोग पूछ रहे हैं कि मामा यहां कब आएंगे, के सवाल पर शिवराज ने कहा, मैं बीजेपी का एक विनम्र कार्यकर्ता हूं। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय पुर्ननिर्माण का आंदोलन है। मैं बीजेपी में इसलिए हूं क्योंकि मुझे देश की और लोगों की सेवा करनी है। और यह सब बीजेपी में ही रहकर हो सकता है। मुझे जनता के लिए सेवा करनी है। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी ने यही सिखाया है कि पूरा देश एक परिवार है। हमारे देश की संस्कृति भी यही कहती है।

शिवराज सिंह ने कहा, हम जनता से संवाद करते हैं। लोग कहते हैं कि आप की याद आ रही थी। मैं भी कहता हूं कि मुझे भी याद आ रही थी। आपस में हास-परिहास भी कर लेते हैं। दिल्ली देश की राजधानी है। जो काम मुझे मिले, सांसद होने के नाते काम करेंगे, प्रदेश की जनता का भी सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि लोगों का प्यार मेरे लिए अभिभूत कर देने वाला है। मैं जब भी चुनाव प्रचार के लिए जाता हूं कि गरीब से गरीब महिलाएं भी 10 रुपये निकालकर मुझे चुनाव प्रचार के लिए दे देती हैं। मैं बार-बार जनता की सेवा करना चाहूंगा।

उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए शिवराज ने कहा मैं पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं।

कम वोटिंग पर चुनाव आयोग न जताई चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान अनुमान से कम वोटिंग दर्ज की गई है, जिसके बाद चुनाव आयोग ने वोटिंग प्रतिशत गिरने पर चिंता जताई है। अधिकतर राज्यों के सीईओ ने हीट वेव को लेकर इंतजामों को बेहतर करने का आश्वासन दिया है। दूसरे चरण में बेहतर व्यवस्था के लिए राज्य सरकारें भी कदम उठाएंगी। ये जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है।

चुनाव आयोग देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान और लू के पूर्वानुमान के मद्देनजर आज सुबह से तमाम हितधारकों के साथ बैठक कर रहा है। बैठक में जोखिम कम करने के उपायों पर चर्चा हो रही है। बैठक में मौसम विभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारी भाग ले रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ बैठक की अध्यक्षता की। देश में अभी सात चरणों में होने वाले चुनाव के छह चरण अभी बाकी हैं।

मौसम विज्ञान के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा, 'आईएमडी चुनाव आयोग के साथ लगातार संपर्क में है। मौसमी पूर्वानुमानों के साथ, हम मासिक, सप्ताह-वार और रोजमर्रा के पूर्वानुमान कर रहे हैं और उन्हें हीटवेव और ह्यूमिडिटी के पूर्वानुमान दे रहे हैं। हम ईसीआई को उन स्थानों के बारे में इनपुट और पूर्वानुमान दे रहे हैं जहां कई चरणों में चुनाव होने वाले हैं।'

इससे पहले 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी गर्मी के मौसम की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की थी। उनको आगामी गर्म मौसम के पूर्वानुमान सहित अप्रैल से जून 2024 की अवधि के लिए तापमान के बारे में जानकारी दी गई। इस बाद देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए महापात्रा का कहना है कि इस गर्म मौसम के दौरान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र, पूर्वोत्तर राज्यों और उत्तरी ओडिशा के कुछ हिस्सों में भी तापमान बढ़ा रहने वाला है। हीटवेव के प्रभाव के बारे में बात करते हुए आईएमडी महानिदेशक ने कहा कि हीटवेव के दौरान बढ़ा हुआ तापमान जोखिम पैदा करता है। इसमें बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों को दिक्कत हो सकती है।

शरद पवार ने अमरावती की जनता से क्यों मांगी माफी?

एजेंसी

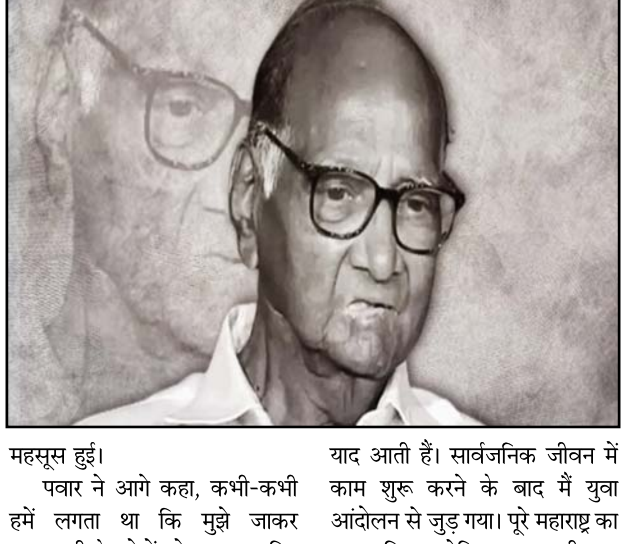

महाराष्ट्र, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव प्रचार को लेकर महाराष्ट्र में सियासी पारा चढ़ गया है। एक तरफ महायुति है तो दूसरी ओर महा विकास अघाड़ी है। महाविकास अघाड़ी का हिस्सा और एनसीपी शरद चंद्र के मुखिया शरद पवार राज्य का दौरा कर रहे हैं और जगह-जगह रैली कर रहे हैं। शरद पवार ने सोमवार को अमरावती पहुंचे हुए थे। जहां, उन्होंने महाविकास अघाड़ी के प्रत्याशी बलवंत वानखेड़े के लिए जनसभा की। इस दौरान पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे भी उनके साथ थे। जनसभा के बीच में एक ऐसा भी मौका आया जब शरद पवार ने पांच साल पुरानी बातों को लेकर मंच से ही अमरावती की जनता से माफी भी मांगी।

जनसभा को संबोधित करते हुए शरद पवार ने कहा कि पांच साल पहले अमरावती में मैंने नवनीत राणा का समर्थन करके गलती की थी। अब वह गलती कभी नहीं होगी। वह उस गलती को सुधारने जा रहे है। शरद पवार ने अपने भाषण में कहा कि मैं बलवंत वानखेड़े को जिताने आया हूं। पिछली बार के चुनाव में नवनीत राणा के लिए मैंने जनसभा की थी। लोगों ने मेरा संदेश स्वीकार किया और जिनका मैंने समर्थन किया था वे सांसद बन गए, लेकिन पिछले पांच साल का उनका अनुभव देखने के बाद मुझे बेचैनी महसूस हुई।

पवार ने आगे कहा, कभी-कभी हमें लगता था कि मुझे जाकर अमरावती के लोगों को बताना चाहिए कि हमने गलती की है। वह गलती दोबारा कभी नहीं होगी। उस गलती को अब सुधारने की जरूरत है। उस गलती को सुधारने के लिए मैं ऐसे बलवंतराव वानखेड़े को विजयी बनाने के लिए कहने आया हूं जिनका सार्वजनिक और निजी जीवन पूरी तरह से साफ पाक है। पिछले कुछ दिनों से हम और हमारे प्रमुख सहयोगी उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र के कोने-कोने में जाकर अपना पक्ष रख रहे हैं।

एनसीपी शरद चंद्र चीफ ने कहा कि हम ये सोचना का प्रयास करते हैं कि देश जिस संकट से जूझ रहा है, उससे कैसे छुटकारा पाया जाए। अमरावती आकर मुझे कई पुरानी बातें याद आती हैं। सार्वजनिक जीवन में काम शुरू करने के बाद मैं युवा आंदोलन से जुड़ गया। पूरे महाराष्ट्र का भ्रमण किया, लेकिन अमरावती एक ऐसी जगह थी जहां युवाओं की एक ताकत उभरी और यहां के लोगों ने हम सभी को काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने आगे कहा, पिछले 10 साल से देश की सत्ता नरेंद्र मोदी के हाथ में है। पिछले 56 सालों में मैंने कई लोगों को करीब से देखा है। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह के साथ किया। मैंने इन सभी नेताओं के कार्य करने के तरीकों को देखा है। ये लोग देश के कोने-कोने में जाते थे और भाषण देते थे। नया भारत कैसे खड़ा होगा और लोगों का विश्वास कैसे बढ़ेगा इसके लिए काम करते थे।

कन्नौज से तेजप्रताप को उतार कर सपा ने कई समीकरण साधे

बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। कन्नौज लोकसभा सीट पर अखिलेश यादव ने अपने भतीजे और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के दामाद तेज प्रताप यादव को टिकट दिया है। इससे पहले अखिलेश की कन्नौज से चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन सोमवार को सपा ने तेज प्रताप का नाम घोषित करके सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। इससे पहले तेज प्रताप यादव 2014 से 2019 तक मैनपुरी से सांसद रहे है। इस सीट पर साल 2014 के चुनाव में मुलायम सिंह यादव ने जीत हासिल की थी। इसके बाद उन्होंने सीट छोड़ दी और पौत्र तेजप्रताप को उपचुनाव लड़वा दिया था। ये उपचुनाव जीतकर तेज प्रताप सांसद बने थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा सांसद सुब्रत पाठक ने अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को 12353 मतों के अंतर से हराकर चुनाव जीता था। भाजपा ने फिर से सुब्रत पाठक को ही मैदान में उतारा है। इससे पहले अखिलेश यादव के परिवार से चार उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया जा चुका है। जिसमें यादव परिवार से उम्मीदवार के तौर पर मैनपुरी में डिंपल यादव, आजगढ़ में धर्मेंद्र यादव, बदायूं में आदित्य यादव और फिरोजाबाद में अक्षय यादव का नाम शामिल है। अब पांचवां नाम तेज प्रताप यादव का भी शामिल हो गया है। लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से ही सपा का गढ़ मानी जाने वाली सीट कन्नौज पर सभी की निगाहें टिकी हुई थीं। 16 मार्च को इलेक्शन की घोषणा के बाद लगातार अखिलेश कन्नौज का दौरा करते रहे है। 40 दिन में करीब 5 बार वो कन्नौज। ऐसा माना जा रहा था कि अखिलेश कन्नौज से चुनाव लड़ सकते हैं। लेकिन अब तेज प्रताप यादव कन्नौज से सपा प्रत्याशी हैं। वहीं इस सीट पर प्रत्याशी के नाम

की घोषणा होने में देरी की वजह बदायूं सीट को भी माना जा रहा है। पहले बदायूं सीट से धर्मेंद्र यादव मैदान में उतारे गए। इसके बाद उनका नाम बदलकर शिवपाल यादव को टिकट दी गई। शिवपाल यहां से चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे वो अपने बेटे आदित्य को टिकट दिलाना चाहते थे। 20-25 दिन तक मंथन चला और बाद में आदित्य यादव को टिकट दिया गया। बदायूं का फैसला होने के बाद कन्नौज पर निर्णय लिया गया। कन्नौज सीट पर सैफई परिवार के मुलायम सिंह यादव ने साल 1999 में लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीता था। साथ ही उन्होंने संभल से भी चुनाव लड़ा था, वहां भी उन्हें जीत मिली थी। जिसके बाद उन्होंने कन्नौज की सीट छोड़ दी थी। साल 2000 में ही कन्नौज में हुए लोकसभा उपचुनाव में मुलायम सिंह ने अपने बेटे अखिलेश यादव को पहली बार चुनाव मैदान में उतारा था। उपचुनाव में अखिलेश यादव ने जीत हासिल की। फिर साल 2004 और साल 2009 में कन्नौज सीट से फिर से लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीते।

साल 2012 में मुख्यमंत्री बनने के बाद अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था। तब उन्होंने कन्नौज से अपनी पत्नी डिंपल यादव को उपचुनाव लड़ा दिया। जिसमें उन्होंने निर्विरोध चुनाव जीत लिया था। साल 2014 में मोदी लहर में भी डिम्पल यादव कन्नौज से सांसद चुनी गई। हालांकि तब भाजपा प्रत्याशी सब्रत पाठक से उन्हें कड़ी टक्कर मिली थी। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में डिम्पल यादव कन्नौज से लोकसभा का चुनाव हार गई थीं। उन्हें भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक ने कड़ी टक्कर दी थी। यानी 25 सालों में 20 सालों से कन्नौज सीट पर सपा का ही कब्जा है।

तेज प्रताप यादव का जन्म 21 नवंबर 1987 को हुआ था। वह मुलायम सिंह यादव के बड़े भाई रतन सिंह के पोते हैं। तेज प्रताप के पिता रणवीर सिंह यादव का 36 साल की उम्र में ही निधन हो गया था। वे ब्लॉक प्रमुख थे। तेज प्रताप यादव की मां मृदुला यादव भी सैफई से ब्लॉक प्रमुख रही चुकी हैं। रणवीर सिंह यादव और अखिलेश यादव चचेरे भाई हैं। इस लिहाज से तेज प्रताप यादव सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भतीजे हुए। तेज प्रताप यादव मैनपुरी के सांसद उस समय बने जिस समय मुलायम सिंह यादव ने मैनपुरी और आजमगढ़ दोनों जगह से चुनाव लड़ा था।

लोस चुनाव ड्यूटी हेतु गैर जनपद जाने वाले पुलिसबल को एसपी ने दिखाई हरी झंडी

संवाददाता

मिर्जापुर, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। जिले के पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत मतदान को निष्पक्ष, पारदर्शी, सकुशल व शान्तिपूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराए जाने हेतु पुलिस लाइन ग्राउंड में मतदान ड्यूटी हेतु लगे पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों की ब्रीफिंग कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल एवं निर्बाध रूप से सम्पन्न कराने हेतु मिर्जापुर जिले से गैर/बाह्य जनपद हेतु भारी संख्या में पुलिस के अधिकारी/कर्मचारीगण की ड्यूटी लगायी गयी है। ब्रीफिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी

अधिकारी/कर्मचारीगण को निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार उनके दायित्वों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया तथा साथ ही अपने ड्यूटी प्वाइंट/मतदान स्थल पर सतर्कता बरतते हुए कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु बताया गया ताकि मतदान को निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया जा सके। समस्त पुलिसकर्मियों/ अधिकारियों को बताया गया कि निर्वाचन मतदान डयूटी एक अतिमहत्वपूर्ण ड्यूटी है इसमे किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। सभी लोग विभाग की गरिमा बनायें रखते हुए अनुशासित रहकर पूर्ण सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ मतदान को शांति पूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न करायेंगे। ब्रीफिंग के पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा ड्यूटी में लगे पोलिंग पार्टी प्रभारी को मेडिकल किट प्रदान कर अपने स्वास्थ के प्रति सजग रहने व सकुशल मतदान कराने हेतु शुभकामनाएं देकर उनके बसों को हरी झंडी दिखाकर गैर/बाह्य जनपद हेतु रवाना किया गया।

उक्त ब्रीफिंग के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन समस्त क्षेत्राधिकारीगण सहित अन्य सम्बंधित समस्त पुलिस के अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

डीएम ने संचारी रोग के तहत संचालित गतिविधियों के बारे में ली जानकारी

संवाददाता

मिर्जापुर, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। एक अप्रैल 2024 से संचारी रोग अभियान एवं 10 अप्रैल 2024 से चलाये जा रहे दस्तक अभियान के तहत किए जा रहे कार्यो के प्रगति की जानकारी के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर बिन्दुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी रोग अभियान के तहत ए0डी0ओ0 पंचायत प्राथमिकता के आधार पर अपने गांव में सफाई अभियान, झाड़ियों आदि का कटाव, तालाबो व नालियों के आस पास कीटनाशक दवाओं का छिड़काव सुनिश्चित करा लें। उन्होने कहा कि प्रत्येक विकास खण्डो में डेंगू प्रभावित क्षेत्रो को चिन्हित कर एवं अन्य हाई रिस्क वाले क्षेत्रो तथा मलिन बस्तियों, प्राथमिक विद्यालयों पंचायत भवनों आदि स्थलों को चिन्हित करते हुये फागिंग व अन्य कीटनाशक दवाओं का छिड़काव सुनिश्चित करायें। उन्होने कहा कि दस्तक अभियान के तहत सभी ए0डी0ओ0 पंचायत ग्राम पंचायतों तथा वार्डो में अधिशासी अधिकारी एन्टी लार्वा का छिड़काव कराना भी सुनिश्चित करें। उन्होने सभी एम0ओ0आई0सी0 को निर्देशित करते हुये कहा कि अपने क्षेत्रो में प्रत्येक दिन कम से कम दो गावों में आशा, आगंनबाड़ी और ए0एन0एम0 के साथ भ्रमण करें तथा दस्तक अभियान व संचारी रोग अभियान के उद्देश्य व महत्व तथा बचाव के बारे में जानकारी दें। उन्होने कहा कि प्रगति न लाने वाले विभागों/नोडल अधिकारियों पर कार्यवाही होगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 सी0एल0 वर्मा, सहित सभी सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

बूथ जितना सशक्त, परिणाम उतना ही शानदार: संजय भाटिया

संवाददाता

सुलतानपुर, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। बूथ जितना सशक्त होगा, उतना ही परिणाम ऐतिहासिक व शानदार होगा। यह कहना है बीजेपी के प्रदेश सह प्रभारी व करनाल के सांसद संजय भाटिया का। भाटिया गोलाघाट स्थित केंद्रीय चुनाव कार्यालय पर आयोजित लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति तथा लोकसभा कोर समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे जिन्होंने नव मतदाता सोशल, आईटी व मीडिया युवा, महिला व लाभार्थी व झुग्गी झोपड़ी संपर्क समेत 29 विभागों की समीक्षा किया।

भाटिया ने कहा देश को प्यार व ताकतवर होते देखने वाला हर समाज का व्यक्ति भाजपा को वोट करेगा व कहा 2019 के चुनाव में पार्टी को प्राप्त मतों से 10 प्रतिशत अधिक मत बढ़ाने के लिए हमें कार्य करना है। चुनावी युद्ध के दौरान लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति व कोर कमेटी

की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। यहां पर आक्रामक रणनीति बनाकर जमीन पर क्रियान्वयन किया जाता है। प्रदेश सहप्रभारी भाटिया ने कहा कि विपक्ष के पास कोई एजेंडा नहीं है और उनका एजेंडा झूठ बोलना, भ्रमित करना व जाति का कार्ड खेलना है। हमारा एजेंडा राष्ट्रवाद, विकसित भारत बनाने व गरीब को मजबूत करने का है।

यह लड़ाई देश को तोड़ने व कमजोर करने का सपना देखने वालों व देश को ताकतवर बनाने वालों के बीच है।देश को ताकतवर व विकसित भारत का सपना देखने वाले भाजपा के साथ हैं।उन्होंने कहा बूथ व बूथ समिति जितनी सशक्त होगी, परिणाम भी उतना शानदार होंगा। उक्त बैठक को भाजपा जिलाध्यक्ष डा. आरए वर्मा ने बैठक की रुपरेखा रखी तथा जिला प्रभारी व प्रदेश मंत्री मीना चौबे लोकसभा प्रभारी के केके सिंह लोकसभा संयोजक जगजीत सिंह छंगू ने संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा व कहा कि पार्टी प्रत्याशी सांसद मेनका को ऐतिहासिक मतों से जिताना कार्यकर्ताओं का लक्ष्य होना चाहिए। इस मौके पर विधायक विनोद सिंह, राजेश गौतम, सहकारी बैंक अध्यक्ष योगेंद्र सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल, विजय सिंह रघुवंशी, विजय त्रिपाठी, संदीप सिंह, घनश्याम चौहान, धर्मेन्द्र कुमार, ज्ञान प्रकाश जायसवाल,आलोक आर्या, आनन्द द्विवेदी, डा. प्रीति प्रकाश, सुनील वर्मा, प्रदीप शुक्ला विनोद सिंह, शशीकांत पाण्डे, श्याम बहादुर पाण्डे, सतीश तिवारी, संजय सोमवंशी, अखिलेश जायसवाल, डा. संतोष सिंह, रेखा निषाद, सुमन राव कोरी, वीरेंद्र भार्गव, आशुतोष पाण्डेय प्रणीत बौद्धिक आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

34 ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों पर लगा गहण

हलिया-मिर्जापुर, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। स्थानीय विकास खंड के 79 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष कुल 34 ग्राम पंचायतों के सचिवों की लापरवाही से शासन से आने वाला टाइड/ अन टाइड का पैसा रिसीव नहीं करने से पैसा जारी नहीं हो सका और वापस लौट गया है जिससे इन ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों में ग्रहण लग गया है।टाइड /अन टाइड का पैसा खाते में नहीं आने से ग्राम प्रधानों को विकास कार्यों में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।अगर टाइड अन टाइड का पैसा खाते में प्राप्त हो गया होता तो विकास कार्यो में गति मिलती लेकिन सचिवों के लापरवाही से इस मद की धनराशि बिना प्राप्त किये ही वापस लौट गई।

ग्रीष्मकालीन भीड़ के समाधान हेतु रेल प्रशासन ने किया अतिरिक्त तैयारियों का दावा

संवाददाता

मिर्जापुर, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। भारतीय रेल ने 1 अप्रैल से 21 अप्रैल, 2024 के दौरान 41.16 करोड़ यात्रियों को यात्रा कराई जबकि पिछले दो दिनों (20 और 21 अप्रैल) में 3.38 करोड़ यात्रियों को यात्रा कराई गई। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार पिछले 7 दिनों (15-21 अप्रैल) में 13.69 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की। जोनल रेलवे को रेलवे स्टेशनों पर पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

विज्ञप्ति के अनुसार इस साल रेलवे द्वारा रिकॉर्ड संख्या में अतिरिक्त ट्रेनें (ग्रीष्म ऋतु के दौरान 9111 यात्राएं) संचालित की जा रही हैं। सभी प्रमुख और महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण की विस्तृत व्यवस्था की गई है। भीड़ को व्यवस्थित तरीके से नियंत्रित करने के लिए सभी गतिविधियों की निगरानी के लिए इन स्टेशनों पर वरिष्ठ अधिकारी तैनात किए गए हैं। सामान्य श्रेणी के डिब्बों में प्रवेश के लिए कतार प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभिक स्टेशनों पर आरपीएफ कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। भीड़-भाड़ वाले इलाकों पर कड़ी नजर रखने और यात्रियों को वास्तविक समय पर सहायता प्रदान करने के लिए सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष में कुशल आरपीएफ कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

भारी भीड़ के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए एवं भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने के लिए राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मचारियों को फुट-ओवर ब्रिज पर तैनात किया गया है। मालवीय के अनुसार यात्रियों को पूछताछ में मदद के लिए अतिरिक्त सहायता डेस्क और काउंटर स्थापित किए गए हैं।

कारोबार

दस ग्राम सोना 243 रुपए सस्ता होकर 73,161 पर आया

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। सोने और चांदी की कीमतों में 22 अप्रैल को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 सोना 243 रुपए सस्ता होकर 73,161 रुपए हो गया है। वहीं एक किलो चांदी 914 रुपए सस्ती हुई है। ये 81,939 रुपए में बिक रही है।

इस साल अब तक सोने के दाम 9,809 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था। वहीं इस महीने सोने के दामों में 4,500 रुपए का इजाफा हुआ है। उधर, चांदी भी 8,544 रुपए महंगी हो चुकी है। 1 जनवरी 2024 को एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए थे।

अनिश्चितता के समय सोने को सुरक्षित-संपत्ति माना जाता है। इजराइल-ईरान संघर्ष और अन्य जियोपॉलिटिकल टेंशन्स ने अनिश्चितता बढ़ा दी है। जब तक ये

टकराव जारी रहेगा, सोने की मांग मजबूत बनी रहने की उम्मीद है, जिससे इसकी कीमत और बढ़ सकती है। सोने का भारतीय संस्कृति में एक अलग स्थान है। यह विभिन्न उत्सवों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, खासकर शादी के मौसम और दिवाली के दौरान। जैसे-जैसे ये शुभ अवसर नजदीक आते हैं, सोने की मांग बढ़ने लगती है, जिससे इसकी कीमत पर दबाव बढ़ जाता है। सोने की कीमत अक्सर करेंसी एक्सचेंज रेट से प्रभावित होती है। जब भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होता है, तो यह भारतीय खरीदारों के लिए सोना अधिक महंगा बना देता है। अभी 1 अमेरिकी डॉलर की कीमत 83.41 रुपए है। साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था। यानी साल 2023 में इसकी कीमत में 8,379 रुपए (16प्रतिशत) की तेजी आई। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

विघ्नहर्ता गोल्ड के चेयरमैन महेंद्र लुनिया के अनुसार 2030 तक सोने के दाम 1.68 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकते हैं। सोने की कीमतों में उछाल के कारणों में भू-राजनीतिक तनाव से लेकर वैश्विक आर्थिक मंदी जैसे फैक्टर्स है।

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- 4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। 24 कैरेट सोने को सबसे शुद्ध सोना माना गया है, लेकिन इसकी ज्वेलरी नहीं बनती, क्योंकि वो बेहद मुलायम होता है। आमतौर पर ज्वेलरी के लिए 22 कैरेट या इससे कम कैरेट सोने का इस्तेमाल किया जाता है। कैरेट के हिसाब से ऐसे चेक करें कीमत मान लीजिए 24 कैरेट सोने का दाम 60 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम है। यानी एक ग्राम सोने की कीमत हुई 6000 रुपए। ऐसे में 1 कैरेट शुद्धता वाले 1 ग्राम सोने की कीमत हुई 6000/24 यानी 250 रुपए। अब मान लीजिए आपकी ज्वेलरी 18 कैरेट शुद्ध सोने से बनी है तो 18×250 यानी इसकी कीमत 4,500 रुपए प्रति ग्राम हुई।

जोमैटो से खाना मंगाना हुआ महंगा

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो से खाना मंगाना अब थोड़ा और महंगा हो गया है। कंपनी ने प्लेटफॉर्म चार्ज में 25प्रतिशत का इजाफा किया है। अब कस्टमर्स को हर ऑर्डर पर 4 रुपए के बदले 5 रुपए प्लेटफॉर्म चार्ज देना होगा। जोमैटो सालाना करीब 85-90 करोड़ ऑर्डर की डिलीवरी करता है। यानी रोजाना करीब 24 लाख ऑर्डर जोमैटो को मिलते हैं। प्लेटफॉर्म फीस में 1 रुपए प्रति ऑर्डर बढ़ोतरी के बाद कंपनी में सालाना रू85-रू90 करोड़ की बढ़ोतरी होगी। जोमैटो ने पिछले साल अगस्त में दो रुपए प्लेटफॉर्म चार्ज लेना शुरू किया था। बाद में इसे बढ़ाकर 3 रुपए और 1 जनवरी 2024 से 4 रुपए कर दिया था। कंपनी ने 31 दिसंबर 2023 को 9 रुपए प्लेटफॉर्म फीस के रूप में ग्राहकों से वसूला था। इसके अलावा कंपनी

ने अपनी इंटरसिटी फूड डिलीवरी सर्विस इंटरसिटी लीजेंड्स को सस्पेंड कर दिया है। इस सर्विस के जरिए कंपनी प्रमुख शहरों के बड़े रेस्टोरेंट्स से दूसरे शहरों के कस्टमर्स तक ऑर्डर पहुंचाती थी। जोमैटो के शेयर में आज 1.24प्रतिशत की तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर ने पिछले 5 दिन में 2.16प्रतिशत, एक महीने में 9.99प्रतिशत, 6 महीने में 75.94प्रतिशत और एक साल में 242.14प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी ने इस साल शेयरहोल्डर्स को 53.90त्न का रिटर्न दिया है। जोमैटो का मार्केट कैपिटलाइजेशन 1.66 लाख करोड़ रुपए है। जोमैटो फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नेट प्रॉफिट 138 करोड़ रुपए रहा था। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को रू346.6 करोड़ का लॉस हुआ था। वहीं तिमाही आधार पर कंपनी का नेट प्रॉफिट 283प्रतिशत रहा। कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 36 करोड़ रुपए का प्रॉफिट दर्ज किया था।

ऑपरेशंस से ओएक्स3 में कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू भी सालाना आधार पर 69प्रतिशत बढ़कर 3,288 करोड़ रुपए रहा।

रिलायंस जियो के चौथी तिमाही के नतीजे घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड ने आज यानी सोमवार को फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 13प्रतिशत बढ़कर 5,337 करोड़ रुपए रहा।

कंपनी ने पिछले साल समान तिमाही में 4,716 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। वहीं पिछले तिमाही यानी कंपनी का नेट प्रॉफिट 5,208 करोड़ रहा था। जियो का नेट प्रॉफिट तिमाही आधार पर 2.5प्रतिशत बढ़ा है।

ऑपरेशंस से क्यू4 में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 11प्रतिशत

बढ़कर 25,959 करोड़ रुपए हो गया। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 23,394 करोड़ रुपए रहा था। वहीं पिछली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 25,368 करोड़ रुपए रहा था। इस हिसाब से क्यू4 में कंपनी का रेवेन्यू तिमाही आधार पर 2.3प्रतिशत बढ़ा है। जियो इंफोकॉम का ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 11प्रतिशत बढ़कर 13,612 करोड़ रुपए रहा। यह इसके ठीक पिछली तिमाही में रहे 13,277 करोड़ रुपए के ऑपरेटिंग प्रॉफिट से 2.5प्रतिशत ज्यादा है। जियो का मार्जिन मार्च तिमाही में 10बीपीएस बढ़कर 52.4प्रतिशत रहा।

एपल तीन साल में पांच लाख भारतीयों को देगा नौकरी

एजेंसी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल अगले 3 साल में भारत में 5 लाख लोगों को नौकरी दे सकती है। ये नौकरियां वेंडर्स और कंपोनेंट्स सप्लायर्स के जरिए जनरेट होंगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, एपल भारत में अपॉइंटमेंट में तेजी ला रहा है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में एपल के वेंडर्स और सप्लायर्स भारत में 1.5 लाख लोगों को रोजगार देते हैं। इनमें एपल के दो मैन्युफैक्चरिंग प्लांट ऑपरेट करने वाली कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सबसे बड़ी जॉब जनरेटर है। हालांकि एपल की ओर से इस बारे में कोई बयान नहीं आया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एपल ने कोरोना महामारी के बाद से ही चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की

रणनीति अपनाई हुई है और भारत में निवेश कर रही है।

कंपनी की प्लानिंग अगले 3 साल में अपनी मौजूदा सप्लाई चेन का कम से कम आधा हिस्सा चीन से भारत ट्रासंफर करने की है। इसके तहत भारतीय सप्लायर्स पर जोर देना शुरू कर दिया है।

कंपनी का टारगेट अगले 4 से 5 साल में भारत में अपने प्रोडक्शन को 5 गुना से ज्यादा बढ़ाकर 40 बिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 3.32 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंचाना है।

फिलहाल एपल का पूरी दुनिया में सबसे अधिक घरेलू वैल्यू एडिशन चीन में ही है, जो करीब 28पतिशम है। वहीं भारत में वैल्यू-एडिशन करीब 11-12त्न है, जिसके 15-18त्न तक जाने की उम्मीद है।

मार्केट रिसर्च फर्म काउंटर पॉइंट रिसर्च के अनुसार, एपल ने 2023 में पहली बार भारत में रेवेन्यू जनरेट करने के मामले में टॉप पॉजीशन हासिल की है। हालांकि, सेल्स के मामले में सैमसंग आगे बना हुआ है।

काउंटरपॉइंट ने रिपोर्ट में बताया कि एपल ने पिछले साल पहली बार शिपमेंट में 10 मिलियन यूनिट का आंकड़ा पार किया। ट्रेड इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म द ट्रेड विजन के अनुसार, भारत से एपल का आईफोन एक्सपोर्ट 2022-23 में 6.27 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 12.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है, जो करीब 100प्रतिशत की भारी वृद्धि दिखाता है।

बंद हो जाएंगे क्रेडिट कार्ड से कुछ भुगतान

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। अगर आप भी क्रेडिट कार्ड के जरिए मकान या दुकान का किराया, सोसायटी शुल्क, ट्यूशन फीस, वेंडर शुल्क आदि का भुगतान करते हैं तो अब आपकी मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। आरबीआई के इन भुगतान पर आपत्ति जताने के बाद से क्रेडिट कार्ड के जरिए किए जाने वाले कुछ भुगतान पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक क्रेडिट कार्ड के तहत किए जाने वाले भुगतान को लेकर बड़ा फैसला कर सकता है। सूत्रों की मानें तो क्रेडिट कार्ड से होने वाले मकान या दुकान के किराए, सोसायटी शुल्क, ट्यूशन फीस, वेंडर शुल्क आदि के भुगतान के विकल्प हटाए जा सकते हैं। आरबीआई ने इन भुगतानों पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि क्रेडिट कार्ड को ग्राहक के किसी कारोबारी को व्यावसायिक भुगतान कर पाने के लिए बनाया गया। न की व्यक्तिगत तौर पर होने वाले भुगतान के लिए। पिछले कुछ सालों में क्रेडिट कार्ड से ये सब भुगतान की संख्या काफी बढ़ी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक सरिता श्रीवास्तव द्वारा प्रभाष प्रिन्टर्स, गणेश नगर, रामजी पुरम निकट मदर टेरेसा स्कूल पो0 मलिकमऊ आयमा रायबरेली से मुद्रित कराकर 31 बस्तेपुर रामजी पुरम रायबरेली ,उप्र से प्रकाशित
सम्पादक- धीरज श्रीवास्तव - फोन नं-0535-2700090, मो0 नं0- 9415020008 आर0 एन0आई0 नं0 यूपीएचआईएन/2012/46348 'सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रायबरेली न्यायालय होगा। navsatta@gmail.com

भाजपा को साफ होना तय, पीडीए सपा के पक्ष में हुआ लामबंदः आरके चौधरी

संवाददाता

मोहनलालगंज, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। लोकसभा के इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी पूर्व मंत्री आर के चौधरी ने सोमवार को विधानसभा मोहनलालगंज के दर्जनों गांवों का दौरा कर नुक्कड़ सभा करके लोगों से अपने लिए वोट की अपील की।

मिर्ज़ापुर, दुल्लापुर, पासिन ढकवा अहिरन ढकवा, आनंदीपुर, बाजूपुर महमूदपुर, मीसा,मलौली, निजाम पर धवरहरा, मटेरा समेत करीब दर्जन गांवों में आयोजित नुक्कड़ सभाओं को सम्बोधित करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि पूरे देश में इंडिया गठबंधन के पक्ष में माहौल है, मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल हो गयी है गरीब, दलित, पिछड़े शोषण का शिकार है

नकारा भाजपा सांसदो ने क्षेत्र काम नहीं किया है जिसका नतीजा है जगह जगह जनता उनको बैरंग वापस कर दे रही है। श्री चौधरी ने इस दौरान समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार बनते ही किसानों का सभी प्रकार कर्ज माफ करने के साथ ही मनरेगा की मजदूरी 450 रूपये प्रतिदिन की जाएगी। सभाओं को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान और लोकतंत्र को खत्म कर राजतंत्र लागू करना चाहती है जिससे फिर पिछड़े दलित गुलामी करें।

श्री अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने भाजपा सांसद लल्लू सिंह, अनंत हेगड़े, ज्योति मिर्धा,अरूण गोविल समेत कई नेता भाजपा सरकार बनने पर संविधान खत्म करने की बात कर चुके हैं।

वहीं दूसरी ओर सरकारी नौकरियों का निजिकरण, पेपर लीक करके युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने कहा कि थाना, तहसील, कलेक्ट्रेट में भ्रष्टाचार बढ़ा है, अधिकारी मनमानी पर उतारू है।

प्रदेश सचिव महताब सिंह ने कहा कि भाजपा की सभाओं में भाड़े पर लोग लाए जा रहे है मोदी सरकार के झूठे वादों से जनता में गुस्सा है।

समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव धर्मवीर पासवान ने कहा कि शासन प्रशासन में एक ही जाति का वर्चस्व है दलित, पिछड़े अधिकारी, कर्मचारी, छात्रों का शोषण किया जा रहा है विधानसभा अध्यक्ष उमाशंकर वर्मा ने कहा कि मोहनलालगंज विधानसभा में समाजवादी पार्टी गठबंधन प्रत्याशी आर के चौधरी कम से कम 50 हजार से अधिक वोटों की बढ़त बनाएंगे। इस अवसर पर भरत यादव, मान सिंह वर्मा, मानवेंद्र सिंह वर्मा, राम किशोर रावत, महताब सिंह यादव, बृजेश यादव, राज किशोर रावत राजू, राजू कुरैसी, सर्वेश कुमार रावत प्रधान, रामसमुझ रावत, अर्चना रावत, अशर्फी लाल धीमान, शंकरदीन रावत, जगरूप सिंह यादव, राम सूचित यादव, अनुज पाल, विपिन पाल, संतोष रावत, गजराज रावत, शिवम पटेल, राजेश रावत, कैलाश रावत सुरेश कश्यप, राज बहादुर यादव दिनेश यादव, आशीष यादव,अनुज यादव, ब्रजेश यादव, राजू यादव राधेश्याम यादव, अनूप रावत, राकेश रावत, गब्बर रावत, ललित रावत सहित कई लोग मौजूद रहे।

बसपा के इमरान ने भरा पर्चा बोले विकास पर होगी बात

कन्नौज, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। बसपा प्रत्याशी इमरान बिन जफर ने आज कन्नौज लोकसभा क्षेत्र से एक सेट में अपना नामांकन पत्र भरा। निर्वाचन अधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल के समक्ष अपरान्ह एक बजे अपना पर्चा प्रस्तुत करने के बाद उन्होंने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। जाजमऊ कानपुर निवासी इमरान 2014 में भी कन्नौज से अपनी किस्मत आजमा चुके है और तब वे आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़े थे और उन्हें प्रचण्ड मोदी लहर में महज 4821 मतों से सन्तोष करना पड़ा था।

अपना पर्चा दाखिल करके निकले जफर ने संवाददाताओ से कहा कि इस बार वे पूरी दमदारी से भाजपा और सपा के दिग्गजों का सामना करने उतरे है। उनका लक्ष्य एक परिवार की सत्ता और भाजपा का घमंड तोड़ना होगा।

जफर बोले यहां 20 वर्ष तक एक पार्टी का सांसद रहा, सड़के और इमारते तो बनी किन्तु ग्रामीण विकास पर बिल्कुल ध्यान नही दिया गया। पिछली बार ये मिथक तोड़कर जनता ने एक स्थानीय नौजवान सुब्रत पाठक को अपना सांसद चुना तो वो विकास करा ही नही पाए और सत्ता की रौ में बह गए। जफर बोले बहन मायावती की शासन शैली अभी प्रदेश भूला नही है इसलिये वे विकास को अपना साध्य मानकर चुनाव समर में उतरे है।

पहले ही चरण में विपक्ष के तेवर हुये ठंडे : केशव

संवाददाता

सीतापुर, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को कहा कि इस बार चुनाव में गर्मी है लेकिन विपक्ष इस भीषण गर्मी के बीच पहले चरण के चुनाव में ही ठंडा पड़ गया है। सीतापुर में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में बोलते हुए उन्होने कहा कि यह सबको पता है कि 2014 के पहले प्रदेश कैसा था, अब प्रदेश कैसा है कि सुशासन और विकास आज उत्तर प्रदेश की पहचान है। दस साल का शासन तो केवल ट्रेलर मात्र है पिक्चर अभी बाक़ी है।

यह चार जून को चार बजे तक 400 पार होगा तो रिलीज होगी। 2014 के लोकसभा में ईवीएम का बटन दबा तो कमल खिला और 2017 में जब ईवीएम का बटन दबा तो उत्तर प्रदेश की बदहाली खुशहाली में बदल गई। 2019 में डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश का परिदृश्य बदल दिया। श्री मौर्य ने कहा कि देश में 25 करोड़ लोग गरीबी से निकले हैं, प्रदेश के लाखों लोगों को पक्की छत मिली है। रोजगार के साधन बने हैं, देश के 52 करोड़ लोगों के बैंक के खाते खुले हैं। यही नहीं विभिन्न योजनाओं में 34 लाख करोड़ रूपये सीधे लोगों के खाते में पहुँचे हैं। यदि सरकार भ्रष्टाचारियों और बलवाइयों की होती तो ये सब मिलकर 29 लाख करोड़ रूपये खा गये होते। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक-एक पाई गरीब की भलाई में लगाई है। जिन घरों में आजादी के बाद भी बिजली नहीं पहुँची थी मोदी जी ने वहाँ रोशनी पहुँचाई। जिन घरों को पीने का साफ पानी नहीं मिल पास रहा था आज वहाँ नल से जल पहुँच रहा है और यह सब बिना भेदभाव के हो रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि 2017 के पहले सपाइयों का नारा था हर ख़ाली प्लॉट हमारा। जिस गाड़ी में सपा का झंडा उसमें बैठा बड़ा सा गुंडा। उत्तर प्रदेश के लोगों ने सपा के शासन की दुश्वारियां झेली हैं। श्री मोदी ने इनको समाप्त करने का काम किया है। इस बार लोकसभा चुनाव में ईवीएम को कमल से लबालब कर देना है। कमल खिलेगा तो प्रदेश और देश के विकास की गाड़ी तेजी से आगे बढ़ेगी।

क्षेत्र में जाम लगेगा तो थानेदार होंगे जिम्मेदारः कमिश्नर

संवाददाता

वाराणसी, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। शहर या देहात में कहीं जाम लगेगा तो उसके लिए इलाके के थानेदार जिम्मेदार होंगे। जो भी शिकायत थाने आए, उस पर हर हाल में एफआईआर दर्ज हो। यह निर्देश पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने रविवार की रात अपने कैंप कार्यालय में मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी में कमिश्नरेट के थानेदारों को दिए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि जनता से दुर्व्यवहार की शिकायत कतई न आए। शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित पुलिसकर्मी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। गंगा घाटों पर नशीले पदार्थ बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई हो। वांछित अपराधियों और वारंटियों की शत-प्रतिशत गिरफ्तारी की जाए। सभी थानों के टॉप-10 अपराधियों और हिस्ट्रीशीटरों पर पुलिस की नजर रहे। उन्होंने कहा, महिला संबंधी अपराधों के संबंध में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई हो। थाने पर आए फरियादियों से प्राप्त शिकायतों की कंप्यूटर में फीडिंग की जाए। आवेदक को प्रार्थनापत्र पर की गई कार्रवाई से अवगत कराया जाए। शिकायतों का थाना स्तर पर ही निस्तारण किया जाए। वाराणसी आने वाले पर्यटकों के साथ किसी प्रकार की आपराधिक घटना न हो। पुलिस आयुक्त ने बताया कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए 16 मार्च से अब तक जिले में 7204 लाइसेंसी असलहे जमा कराए गए हैं। 30324 लोगों को पाबंद किया गया है। 1245 लोगों का शांतिभंग के आरोप में चालान किया गया है। 55 लोगों के पास से 122 किलो गांजा, 0.268 किलो हेरोइन और 0.245 किलो अन्य किस्म के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। इसी तरह से 258 व्यक्तियों से 3078 लीटर देसी शराब और 90.81 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई है।

कुर्क की गई जमीन पर चोरी से काटी जा रही थी फसल

संवाददाता

प्रयागराज, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। जिला मजिस्ट्रेट भदोही द्वारा 21 नवंबर 2023 को पूर्व विधायक माफिया विजय मिश्र की पुत्री सीमा मिश्रा की हनुमानगंज क्षेत्र के पट्टीधीना उर्फ लालापुर गांव में प्रयागराज वाराणसी मार्ग पर स्थित चार बीघे सात विस्वा दस धुर जमीन की जब्तीकरण की कार्यवाई करते हुए नोटिस चस्पा कर सील कर दिया था। सोमवार को उक्त भूमि पर बोई गई अरहर की फसल को पीछे से बाउंड्री वॉल पर सीढ़ी लगाकर कुछ लोग अंदर घुसे और महिला मजदूरों से कटाई कराने लगे। सूचना पर सरायइनायत पुलिस मौके पर पहुंची तो फसल कटवा रहे हैं। लोग मजदूरों के साथ पीछे के रास्ते फरार हो गए।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदान केन्द्रों का किया गया निरीक्षण

संवाददाता

सुलतानपुर, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना, पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट वैशाली चोपड़ा द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, सकुशल शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने हेतु थाना मोतिगरपुर परिसर में उप जिला मजिस्ट्रेट जयसिंहपुर विपिन द्विवेदी पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रशान्त सिंह, जोनल/ सेक्टर मजिस्ट्रेट संवेदनशील/अतिसंवेदनशील बूथों के मतदाताओं के साथ चुनाव सम्बन्धी बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी महोदया द्वारा सभी जोनल सेक्टर मजिस्ट्रेट से उनके क्षेत्र अन्तर्गत पड़ने वाले संवेदनशील/अति संवेदनशील मतदान केन्द्रों व व्यक्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। उन्होंने मतदान की तैयारियों के सम्बन्ध में जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट से उनके द्वारा तैयार किये गये माइक्रो प्लान के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। उन्होंने सभी जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक सुविधाएं समय से पहले सुनिश्चित कर ली जाय। उन्होंने कहा कि सभी अपने क्षेत्र अन्तर्गत पड़ने वाले चिन्हित संवेदनशील व्यक्तियों से सम्पर्क करें तथा मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करें। उन्होंने बीएलओ के माध्यम से मतदाता पर्चो का वितरण समय सुनिश्चित कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने एसएचओ मोतिगरपुर को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी संवेदनशील/अति संवेदनशील बूथों का निरीक्षण अवश्य करें। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस क्षेत्राधिकारी व एसएचओ को लॉ एण्ड आर्डर बनाये रखने हेतु क्षेत्रों का भ्रमण करने के निर्देश दिये गये तत्पश्चात जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, ज्वांइट मजिस्ट्रेट द्वारा वि0ख0 मोतिगरपुर क्षेत्र अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय दियरा प्रथम व कम्पोजिट विद्यालय द्वितीय, क्रिटिकल व वल्नेबल मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित कराने जैसे- विद्युत, स्वच्छ पेयजल, रैम्प पेन्टिंग, टेन्ट, शौचालय (महिला, पुरुष) वैरीकेटिंग, बूथों की संख्या का अंकन, मॉडल बूथ, दिव्यांग मतदाताओं हेतु रैम्प, मेज, कुर्सी, मच्छरदानी/मॉसकीटो क्वाइल आदि व्यवस्थाओं को जायजा लिया गया जो सही पाया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सम्बन्धित बीएलओ से फार्म-12डी, मतदाता पर्चो का वितरण आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी।

भांजी की शादी में मामा ने उजाड़ दिया बहन का सुहाग

संवाददाता

आगरा, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। आगरा के फतेहाबाद थाना क्षेत्र में मामा ने भांजी की शादी में बहन का सुहाग उजाड़ दिया। आरोपी ने भांजों के साथ मिलकर जीजा को इस कदर पीटा की उसकी जान चली गई। विवाह शादी में डीजे पर बज रहे गानों को लेकर हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। बेटी की शादी के दिन पिता की हत्या से परिवार के लोगों में चीत्कार मच गया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कस्बा फतेहाबाद के कृष्णा धाम कॉलोनी निवासी रामबरन पुत्र मुन्नालाल की बड़ी पुत्री मधु की बरात प्रेमपुर फिरोजाबाद से नेकराम लेकर आए थे। रविवार शाम को हंसी खुशी से बरातियों का स्वागत किया गया। रात दो बजे डीजे पर गाना बदलने को लेकर दुल्हन के पिता रामबरन और मामा राजू के बीच कहासुनी हो गई। लोगों ने बीच बचाव करा दिया लेकिन इसके बाद मामा राजू अपने घर चला गया।

सोमवार सुबह पांच बजे के करीब परिवार के लोग कन्यादान की तैयारी में लगे हुए थे। इसी बीच राजू अपने पुत्र सुनील और भांजे सचिन पुत्र मुकेश निवासी हरिकन्द थाना दिहोली धौलपुर, विष्णु पुष्पेन्द्र पुत्र अशोक निवासी मनिया धौलपुर, रंजीत पुत्र राजेन्द्र निवासी तिवाहा फतेहाबाद, विजय पुत्र सरनाम निवासी सधुपुरा इरादतनगर साथ आ धमका और घर में घुसकर सरिया और पत्थर से हमला कर दिया।

इस तरह हुए हमले से चीखपुकार मच गई। रामबरन और उसके भाई भूरी सिह, अनिल और विनोद बचाने आए तो उनके साथ भी बेरहमी से मारपीट की गई। इस दौरान चारों भाई घायल हो गए। जिसमें गंभीर घायल अवस्था में रामबरन को परिवार के लोग व रिश्तेदार हॉस्पीटल ले गए, जहां जांच के बाद डॉक्टरो ने रामबरन को मृत घोषित कर दिया। जानकारी पर घर में कोहराम मच गया।

मृतक के भाई अनिल ने राजू, सुनील, सचिन, विष्णु, पुष्पेन्द्र, रंजीत और विजय के खिलाफ थाना फतेहाबाद में तहरीर दी है। जानकारी

सड़क हादसे में फूफा-भतीजे की मौत

संवाददाता

आगरा, 22 अप्रैल (नवसत्ता)। फिरोजाबाद के जसराना में रविवार की रात एटा शिकोहाबाद मार्ग के गांव नवादा पर अज्ञात वाहन के रौंदने से बाइक सवार फूफा-भतीजे की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। मृतक के पुत्र ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। प्रदेश में तेजी से बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं के कारण जान-माल का काफी नुकसान हो रहा है।

थाना मटसेना के गांव बरामई निवासी 50 वर्षीय मुनेश चंद्र पुत्र दयाराम की ससुराल थाना जसराना क्षेत्र के गांव नगला इमलिया पाढ़म में है।

वह रविवार शाम को अपनी ससुराल गए थे। जहां से खरीददारी करने के लिए वह अपने साले के पुत्र देवेश कुमार (26) पुत्र रामबहादुर के साथ जसराना बाजार खरीददारी करने के लिए गए थे। रात को वापस लौटते समय अज्ञात चार पहिया वाहन ने नवादा स्कूल के पास पप्पू की दुकान के सामने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।

हादसे में मुनेश चंद्र और देवेश गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। जहां डाक्टरों ने मुनेश चंद्र को मृत घोषित कर दिया जबकि देवेश को गंभीर हालत में आगरा रेफर कर दिया गया। सोमवार सुबह देवेश की भी उपचार के दौरान मौत हो गई।

पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना को लेकर मृतक मुनेश चंद्र के पुत्र संजू ने अज्ञात वाहन स्वामी के विरुद्ध जसराना थाने में तहरीर दी है।